PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 222 ● भिलाई, गुरुवार 12 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कैमरे में कैद हुई मौत : लोहे का खंभा छूते ही जिंदा जले दो युवक

मंचेरियाल। तेलंगाना के मंचेरियाल जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक छोटी सी चूक ने पलक झपकते ही दो युवकों की दर्दनाक मौत की कहानी लिख दी। पेट्रोल पंप के पास मौजूद दोनों युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए और मौके पर ही जिंदा जल गए। इस दिल दहला देने वाली घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूरी घटना मंचेरियाल जिले के डंडेपल्ली इलाके की है। जानकारी के अनुसार, मदारीपेट स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास यह हादसा उस वक्त हुआ, जब वहां मौजूद एक लोहे का खंभा अचानक बिजली की मेन लाइन की तार से जा टकराया। दुर्भाग्यवश, दोनों युवक उस समय खंभे के बेहद करीब थे। लोहे के खंभे में हाई वोल्टेज करंट दौड़ने की वजह से दोनों को जोरदार इलेक्ट्रिक शॉक लगा और देखते ही देखते वे मौके पर ही आग की लपटों में घिर कर जल गए। इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों की शिनाख्त कर ली गई है। मृतकों में एक की पहचान मदारीपेट गांव के ही रहने वाले सत्रा लक्ष्मीनारायण के रूप में हुई है, जबकि दूसरा युवक वेल्नुरु गांव का रहने वाला नागराजू था।

मायके से लौटने को तैयार नहीं थी पत्नी, वीडियो कॉल कर बुलाता रहा पति फिर खा लिया जहर

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी से एक बेहद दर्दनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के महज दस महीने बाद ही एक 22 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस खौफनाक कदम को उठाने से ठीक पहले युवक ने अपनी पत्नी और ससुराल वालों से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जवान बेटे की इस तरह अचानक मौत से परिवार गहरे सदमे में है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान आशीष अहिरवार के रूप में हुई है।

अमित शाह का विपक्ष पर वार

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लोकतंत्र की नींव पर हमला

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, संविधान ने स्पीकर को मध्यस्थ की भूमिका दी है। आप उसी मध्यस्थ पर शक कर रहे हैं। 75 वर्षों में दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। विपक्ष ने उस गहरी नींव की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़ा किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। यह संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए अफ्सोसजनक घटना है, क्योंकि अध्यक्ष किसी दल के नहीं, सदन के होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्थापित परंपरा के अनुसार इस सदन की कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर होती है। स्पीकर एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में काम करते हैं, जो सरकार और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शाह ने कहा कि लोकसभा के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं, जिनके अनुसार स्पीकर को सत्र चलाना चाहिए। यह सदन कोई बाजार नहीं है।सदस्यों से उम्मीद की जाती है कि वे इसके नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार बोलें और भाग लें। उन्होंने कहा, मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि वर्तमान स्पीकर की नियुक्ति जब हुई, तब दोनों दलों के नेताओं ने एक साथ उन्हें आसन पर बैठाने का काम

किया। इसका मतलब है कि स्पीकर को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने एक प्रकार से मुक्त माहौल भी देना है और दायित्वों के निर्वहन के लिए उनका समर्थन भी करना है। केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि स्पीकर के निर्णय पर कोई असहमति तो व्यक्त हो सकती है, लेकिन लोकसभा के नियमों में स्पीकर के निर्णयों को अंतिम माना गया है। इसके विपरित विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया। शाह ने कहा, मैं बताना चाहता हूं कि 75 साल से इन दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। लेकिन आज विपक्ष ने इस साख पर एक प्रकार से सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए सदन के जो स्पीकर होते हैं, वह संरक्षक होते हैं। इसलिए नियम बनाए गए हैं। यह सदन कोई मेला नहीं है; यहां नियमों के अनुसार चलना पड़ता है। जिन बातों को सदन अनुमति नहीं देता है, उस तरह से बोलने का किसी को अधिकार नहीं है, चाहे वह कोई भी हो। उन्होंने कहा, विपक्ष जब स्पीकर की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है, तो मान्यवर यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है। यह हमारी परंपरा, उच्च परंपराओं का निर्वहन करने के लिए बहुत अफ्सोसजनक घटना है।

कांग्रेस के सदस्यों को भाजपा से ज्यादा बोलने का समय मिला

मुझे विधायक, सांसद रहते हुए लगभग 30 साल हो गए। लेकिन रात के 12 बजे तक सदस्यों को शून्यकाल उठाने का मौका हमारे लोकसभा स्पीकर साहब ने दिया है, ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। लोकिन ये कहते हैं कि उन्हें मौका ही नहीं मिलता है। 2019 में रिकॉर्ड 78 महिलाएं संसद में चुनकर आईं। स्पीकर ने सभी महिला सांसदों को बोलने का मौका दिया। उन्होंने कहा, (लोकसभा स्पीकर) ओम बिरला के आग्रह पर सदन के अंदर क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग भी बढ़ा और लगभग 14 भाषाओं में यहां भाषण दिया गया। शाह ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी को बताना चाहता हूं कि 17वीं लोकसभा में कांग्रेस पार्टी को 157 घंटे और 55 मिनट का समय दिया गया, जबकि उनके 52 सदस्य थे। इसकी तुलना में भाजपा को 349 घंटे और 8 मिनट दिए गए।

ध्वनि मत से हुआ खारिज,विपक्ष को बड़ा झटका

धम से गिरा बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव....

नई दिल्ली/ एजेंसी

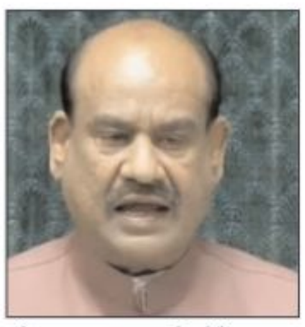

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफविपक्ष की ओर से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हो गया। इस प्रस्ताव पर लोकसभा में दो दिनों तक बहस चली, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिरला का बचाव करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला किया। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कई विपक्षी नेताओं के समर्थन से यह प्रस्ताव पेश किया था और स्पीकर पर पक्षपात के आरोप लगाए थे, लेकिन एनडीए ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। प्रस्ताव गिरने के बाद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष बने रहेंगे। प्रस्ताव के गिरने के बाद विपक्ष को बड़ा झटका लगा है। साथ ही जब केंद्रीय गृह मंत्री आज सदन में आए तब उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ओम बिरला की निष्ठा पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नियमों के खिलाफ किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। साथ ही राहुल गांधी पर तंज कसते हुए शाह ने कहा कि वह कहते हैं उन्हें बोलने नहीं दिया जाता, जबकि वह खुद बहस में हिस्सा नहीं लेते और महत्वपूर्ण सत्रों के दौरान अक्सर विदेश में रहते हैं। बुधवार को अमित शाह को सरकार की ओर से प्रस्ताव पर जवाब देना था। उन्होंने सदन में बोलते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कभी आंख मटकाते हैं और कभी प्रधानमंत्री को उनकी सीट पर गले लगाते हैं। इस बयान पर विपक्षी सांसदों ने खूब शोर मचाया और माफी मांगने की मांग की।

सेना की बड़ी कामयाबी सीमा पर फिर नापाक साजिश नाकाम, एक आतंकी ढेर, दूसरे की तलाश जारी

नई दिल्ली। राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर।

फैसला पढ़ते हुए रो पड़े जज

हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट ने दे दी इच्छामृत्यु की इजाजत....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 13 साल से बिस्तर पर पड़े युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने इस मामले में एम्स से राणा की मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स ने रिपोर्ट में कहा कि राणा के ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राणा के लिए पैसिव यूथेनेशिया की मंजूरी दे दी। हरीश के माता-पिता ने अपने बेटे की इच्छामृत्यु के लिए यह केस सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था। हरीश पिछले 13 साल से बिस्तर पर अचेत अवस्था में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के हरीश राणा को पैसिव युथनेसिया (इच्छामृत्यु) की अनुमति दे दी है। हरीश पिछले लगभग 13 साल से बिस्तर पर अचेत अवस्था में हैं। इस फैसले से पहले कोर्ट ने उनके परिवार से भी बातचीत की थी। हरीश के माता-पिता, जिन्होंने 100त्न दिव्यांग हो चुके बेटे के ठीक होने की उम्मीद छोड़ दी थी, ने ही सुप्रीम कोर्ट में उनकी इच्छामृत्यु की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा के मामले में दिल्ली के एम्स से रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि हरीश कभी ठीक नहीं हो सकते। जस्टिस जे बी पारदीवाला ने इसे बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह फैसला मुश्किल है, लेकिन इस लड़के को अपार दुख में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा कि अब हम उस चरण में हैं। बता दें कि हरीश, जो चंडीगढ़ में पढ़ाई कर रहे थे।

यूपी में मचा नया सियासी बवाल

मायावती की माया पर राहुल गांधी की नजर!

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बहुजन समाज पार्टी के फाउंडर कांशीराम की जयंती से दो दिन पहले 13 मार्च को लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। रायबरेली से कांग्रेस नेता के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जाने-माने दलित नेताओं, सोशल एक्टिविस्ट और बुद्धिजीवियों की एक मीटिंग को संबोधित करने की उम्मीद है। यह कार्यक्रम कांशीराम को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जा रहा है, जिन्हें उत्तर भारत में 'बहुजन पॉलिटिकल मूवमेंट' का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है। पार्टी नेताओं ने कहा कि कई जाने-माने दलित विचारकों और कम्युनिटी

लीडर्स को चर्चा में हिस्सा लेने के लिए बुलाया गया है। चर्चा का मुख्य टॉपिक सोशल जस्टिस और गवर्नेंस में रिप्रेजेंटेशन होगा। एक पार्टी नेता ने कहा कि इस इवेंट का मुख्य फोकस सामाजिक न्याय और पिछड़े समुदायों को मजबूत बनाने की लड़ाई में कांशीराम के योगदान पर होगा।

हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स में लगा कर्फ्यू

मेघालय। मेघालय के गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी हिंसा के बाद से कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके साथ ही मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित किया गया है। गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया। इसके बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। यह जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि कर्फ्यू 10 मार्च को लगाया गया था और यह 24 घंटे तक लागू रहेगा, जबकि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 48 घंटे तक निलंबित रहेंगी।

निकासी के लिए तैयार किए गए दो प्रमुख मार्ग

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारतीय छात्रों की वतन वापसी शुरू हुआ,गुरुवार को निकलेगा पहला जत्था..

नई दिल्ली। पश्चिम एशियाई देश ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमलों के बाद उपजे युद्ध के हालातों के बीच वहां फंसे सैकड़ों भारतीय छात्रों के लिए राहत की खबर आई है। युद्ध के तेरहवें दिन भारत सरकार और स्थानीय अधिकारियों ने छात्रों को सुरक्षित निकालने का पुख्ता इंतजाम कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय छात्रों का पहला जत्था गुरुवार को ईरान से आर्मेनिया के रास्ते रवाना होने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान में भारतीय दूतावास और स्थानीय विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षित निकासी के लिए दो मुख्य जमीनी मार्गों का विकल्प दिया है। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज , ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़मेडिकल साइंसेज, और शाहिद बेहेश्टी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में पढ़ रहे छात्रों को आर्मेनिया या अज़रबैजान के

रास्ते बाहर निकलने का सुझाव दिया गया है। इन मार्गों पर छात्रों को सुरक्षित सीमा तक पहुंचाने के लिए स्थानीय अधिकारियों और छात्र समूहों के बीच समन्वय किया जा रहा है। जमीनी रास्तों के अलावा, बड़ी संख्या में छात्रों ने हवाई मार्ग से भारत लौटने को प्राथमिकता दी है। कई छात्रों ने 15 मार्च और 16 मार्च के लिए 'फ्लाईदुबई' की उड़ानें बुक की हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के माध्यम से सीधे भारत पहुंच सकें। विशेष रूप से शिराज यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के 86 मेडिकल छात्रों के लिए एक अलग रूट तैयार किया गया है जिसके तहत वे शिराज-क़ोम-बाकू एयरपोर्ट के रास्ते अज़रबैजान जा सकते हैं और वहां से भारत की उड़ान ले सकते हैं। ईरान में फंसे अधिकांश छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं और उनमें से बड़ी संख्या जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष मोहम्मद मोमिन खान ने बताया कि उन्हें इस्फ़हान, केरमान और गोलेस्तान यूनिवर्सिटी से छात्रों के लगातार परेशानी भरे कॉल आ रहे हैं। छात्रों का कहना है कि अब ईरान का कोई भी हिस्सा सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है और वे जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकलना चाहते हैं।

एक टेंडर निरस्त कर क्यों बुलाए दूसरा...

सदन में जंबूरी पर हंगामा...विपक्ष का वाक आउट

रायपुर। विधानसभा में आज बालोद जिले में जनवरी माह में हुई जंबूरी का मामला गरमाया रहा। जंबूरी आयोजन के लिए एक टेंडर निरस्त करते हुए दूसरा टेंडर बुलाए जाने पर विपक्ष ने कई सवाल खड़े किए। यह भी सवाल खड़ा हुआ कि प्रदेश स्तरीय जंबूरी समिति का अध्यक्ष कौन पूर्व मंत्री जो कि वर्तमान में सांसद हैं वह, या फिर स्वयं स्कूली शिक्षा मंत्री? बहस के दौरान दो-तीन ऐसे भी मौके आए जब विपक्ष व सत्ता पक्ष के विधायक आपस में जमकर उलझे। स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के जवाबों से असंतुष्ट होकर सारे विपक्षी विधायक सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल का सवाल था कि बालोद में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में किस-किस कार्य के लिए कितना-कितना खर्च किया गया? कौन सी फर्म को कितने का टेंडर दिया गया? क्या शर्त तय करने के लिए समिति बनी थी ? क्या चहेतों को लाभ दिलाने के लिए टेन्डर बदलने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई हैं? स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की तरफसे जवाब आया कि बालोद जिले में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में क्रीड़ांगन (एरीना निर्माण), शौचालय निर्माण, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, आवास टेंट, कार्यक्रम डोम, बेरिकेट, भोजनालय एवं प्रिंटिंग आदि कार्यों के लिये दो करोड़ खर्च किया गया। जंबूरी कार्य के लिए मेसर्स अमर भारत किराया भण्डार रायपुर को 5 करोड़ 18 लाख 88 हजार 860 रूपये का टेंडर दिया गया था। शर्त तय करने के लिए समिति का गठन किया गया था। इस कार्य हेतु किसी भी फर्म को लाभ दिलाने के लिए टेंडर बदलने संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

जंबूरी पर सदन में जो लंबी बहस चली वह कुछ इस तरह रही...

उमेश पटेल- जंबूरी के लिए निविदा कितनी बार लगी? कब लगी? यदि उसे निरस्त किया गया तो उसके पीछे क्या कारण है?

गजेन्द्र यादव- जंबूरी राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम था। पहला टेंजर रद्द हो गया था। पहली बार जब टेंडर जारी

हुआ तो बहुत से लोगों ने शासन एवं प्रशासन से मांग थी कि इसमें जिस तरह की शर्तें हैं, लोकल लोग भाग नहीं ले पाएंगे। सरलीकृत किया जाए। इसके बाद दूसरा टेंडर किया गया।

उमेश पटेल- आप मान रहे हैं कि सरलीकृत करते हुए दूसरा टेंडर निकाला गया। ऐसे में डाउन ग्रेड का क्या क्राइटेरिया है? क्या डाउन ग्रेड का निर्णय स्काउट गाइड परिषद ने लिया था?

गजेन्द्र यादव- भारत स्काउट गाइड परिषद ने राज्य शासन को पत्र लिखकर कहा था कि टेंडर जेम पोर्टल की प्रक्रिया पर जाते हुए करें। राज्य शासन ने इस काम के लिए बालोद कलेक्टर को अधिकृत किया।

उमेश पटेल- राज्य स्काउड गाइड परिषद का अध्यक्ष कौन होता है?

गजेन्द्र यादव- स्कूल शिक्षा मंत्री।

उमेश पटेल- क्या परिषद को भंग करेंगे। सांसद बोलते हैं मैं परिषद का अध्यक्ष हूं। स्कूली शिक्षा मंत्री बोलते हैं मैं अध्यक्ष हूं। फिर पहला टेंडर निरस्त किसने किया?

गजेन्द्र यादव- जिले की निविदा समिति ने भंग किया।

उमेश पटेल- 23 दिसंबर 2025 को दूसरी बार टेंडर हुआ। टेंडर भरने की अंतिम तारीख 2 जनवरी थी। क्या निविदा पूर्ण होने से पहले ही काम शुरु हो गया था?

गजेन्द्र यादव- काम बंटे रहते हैं। बहुत सी चीजें जम्बूरी के नेशनल हेड क्वार्टर से तय होती हैं।

उधर ट्रंप-अंबानी के बीच बड़ी डील

अमेरिका में ऑयल रिफाइनरी लगाएगी रिलायंस-अंबानी.....

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल का युद्ध अब निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ता दिख रहा है। युद्ध के 11वें दिन भी हमले लगातार जारी हैं। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका 50 साल में पहली बार एक नया ऑयल रिफाइनरी प्लांट बनाने जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस परियोजना में भारत के अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज निवेश करेगी। खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बात का ऐलान किया। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एनर्जी

सेक्टर में एक बार फिर अमेरिका का दबदबा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि 50 साल में पहली बार अमेरिका नई ऑयल रिफाइनरी बनाने जा रहा है। यह करीब 300 मिलियन डॉलर की बड़ी डील बताई जा रही है। इसके बाद ट्रंप ने भारत का शुक्रिया भी अदा किया।

थनोद में भारतमाला प्रोजेक्ट पर 'ब्रेक': 4 मीटर के अंडरब्रिज पर अड़े किसान, काम रुकवाकर शुरू किया आंदोलन

शिवनाथ की बाढ़ और कम ऊंचाई का डर,हार्वेस्टर और मूर्तियों के परिवहन पर संकट

दुर्ग जिले के ग्राम थनौद में भारत माला परियोजना से आ रही समस्या को लेकर ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया. (फोटो: नाहीद शेख)

दुर्ग/थनोद। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के ग्राम थनोद में निर्माणाधीन अंडरब्रिज अब विवादों के घेरे में है। परियोजना के डिजाइन और अंडरब्रिज की कम ऊंचाई को लेकर क्षेत्र के किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को बड़ी संख्या में किसानों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर काम रुकवा दिया और अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।

हार्वेस्टर और मूर्तियों के परिवहन पर संकट- आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि प्रशासन द्वारा यहाँ महज 4 मीटर ऊंचा अंडरब्रिज बनाया जा रहा है, जो व्यावहारिक रूप से बहुत कम है। किसानों के अनुसार, फसल कटाई के समय बड़े हार्वेस्टर, ऊंचे कृषि यंत्र और भारी ट्रॉलियां इस ब्रिज के नीचे से नहीं गुजर पाएंगी। इसके अलावा, गांव की धार्मिक परंपराओं के अनुसार यहाँ प्रदेश भर के लिए मूर्तियों का निर्माण किया जाता है. जिसके परिवहन में भी यह ब्रिज बाधा बनेगा। ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि अंडरब्रिज की ऊंचाई बढ़ाकर कम से कम 5.5 मीटर की जाए।

शिवनाथ नदी की बाढ़ का खतरा- किसानों ने एक और गंभीर तकनीकी खामी की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि सड़क की अत्यधिक ऊंचाई के कारण शिवनाथ नदी का पानी ओवरफ्लो होकर सीधे खेतों में भरेगा। इससे न केवल फसलें बर्बाद होंगी, बल्कि मानसून के दौरान पूरे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन जाएगी।

प्रशासनिक हस्तक्षेप और आश्वासन- किसानों के उग्र तेवर और काम रुकने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। एनएचएआई (ह्व्रद्ध) और राजस्व अधिकारियों ने किसानों से चर्चा की। ग्रामीणों के कड़े विरोध को देखते हुए प्रशासन ने मांगों पर तकनीकी विचार करने और सकारात्मक समाधान निकालने का आश्वासन दिया है, जिसके बाद फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई तो वे फिर से सड़कों पर उतरेंगे।

भीषण गर्मी और लू की आशंका: सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, संयुक्त संचालक ने जारी किए निर्देश

अम्बिकापुर । सरगुजा संभाग में ग्रीष्म ऋतु के आगमन और बढ़ते तापमान को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। संभागीय संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवायें) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने संभाग के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) को पत्र जारी कर मौसमी बीमारियों और लू (Heatstroke) से निपटने हेतु पुख्ता इंतजाम करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

15 मार्च से लू चलने की संभावना: मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, सरगुजा संभाग में 15 मार्च के बाद भीषण गर्मी और लू चलने की प्रबल संभावना है। इसे देखते हुए डॉ. शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोपरि है। लू और जलजनित संक्रामक बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अस्पतालों के लिए प्रमुख निर्देश: दवाइयों का भंडारण: सभी केंद्रों में लू और मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक औषधियों का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश।

स्टाफ की उपस्थिति: अस्पतालों में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

साफ -सफाई: स्वास्थ्य संस्थाओं और परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

एम्बुलेंस अलर्ट मोड पर: आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस सेवाओं को 24×7 अलर्ट मोड पर रखने और तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आमजन के लिए जागरूकता और सावधानी डॉ. शुक्ला ने निर्देशित किया है कि मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और अस्पताल प्रभारियों के मोबाइल नंबर अपडेट रखे जाएं ताकि प्रभावितों को समय पर उपचार मिल सके। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बाहरी श्रमिकों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। अस्पतालों में लू के लक्षण, बचाव के उपाय और प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

जिले में पुलिस विभाग की 112 आपातकालीन सेवा की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। जिले में पुलिस विभाग की 112 आपातकालीन सेवा की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर भाजपा नेता जयदीप गुप्ता ने मुख्यमंत्री के निज सचिव तुलसी कौशिक को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मांग की गई कि जिला बालोद में पुलिस विभाग की 112 आपातकालीन सेवा का वाहन उपलब्ध कराया जाए, जिससे आम नागरिकों को समय पर पुलिस सहायता मिल सके। भाजपा नेता जयदीप गुप्ता द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 112 आपातकालीन सेवा आम नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में इस सेवा के अंतर्गत पुलिस वाहन उपलब्ध हैं, जिससे दुर्घटना, विवाद, अपराध अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त हो जाती है।लेकिन जिला बालोद में इस सुविधा का अभाव होने के कारण आम नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार गंभीर परिस्थितियों में समय पर पुलिस सहायता नहीं मिल पाने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया है कि जनहित और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला बालोद में भी पुलिस विभाग की 112 आपातकालीन सेवा का वाहन शीघ्र उपलब्ध कराया जाए, ताकि आम जनता को त्वरित और बेहतर पुलिस सहायता मिल सके।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना बेरला अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्र डंगनिया (ब), ग्राम पंचायत डंगनिया में 01 आंगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त है, जिस पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया नवीन ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अभ्यर्थी 10 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026 तक निर्धारित पोर्टल पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन कर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ई-भर्ती पोर्टल के यूजर मैनुअल में उपलब्ध है। आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इस पद के लिए वही महिलाएं आवेदन करने की पात्र होंगी जो संबंधित ग्राम पंचायत या वार्ड की स्थानीय निवासी हों, जिस वार्ड/ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

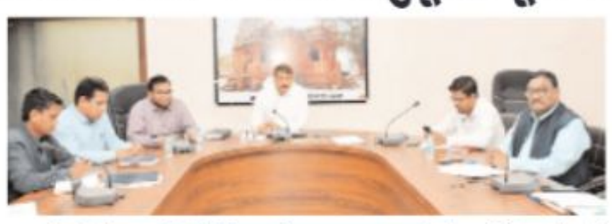

गर्मियों का समय निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल, पूरी तेजी से हो काम : कलेक्टर गोपाल वर्मा

कवर्धा। सभी स्वीकृत निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराएं जाएं। जो कार्य फील्ड में चल रहे हैं उसकी गुणवत्ता की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए। मार्च से जून तक का यह समय निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त है, अतः सारे काम पूरी तेजी के साथ हों, यह बातें कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में सभी निर्माण एजेंसीज के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की ठेकेदार से टाइमलाइन लें और उसी के अनुसार नियमित रूप से निरीक्षण और मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर वर्मा ने सड़क, छात्रावास व अन्य भवनों, विद्युत सबस्टेशन के साथ अन्य निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर वर्मा ने पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों में आयुष्मान कार्ड बनाने के जो लक्ष्य मिले हैं उसे जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके लिए उनके गांवों में जाकर कैंप लगाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आयुष्मान योजना के तहत इलाज करने वाले अस्पतालों की भी नियमित जांच करने के लिए निर्देशित किया। जल शक्ति अभियान के तहत मोर गांव मोर पानी अभियान की समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभागों को जल स्त्रोतों की ऑनलाइन एंट्री करने के निर्देश दिए गए। गर्मियों के मौसम को ध्यान रखते हुए कलेक्टर वर्मा ने पीएचई एवं सभी नगरीय निकाय के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने जहां भी हैडपंप बिगड़ने की समस्या आती है इसके लिए पीएचई विभाग तत्काल सुधार करने की तैयारी रखे। नगरीय निकायों में भी नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था रखी जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक स्त्रोतों को चिन्हित कर के रखने के लिए भी निर्देशित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और समानता का संदेश दिया

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन व मुख्य अतिथ्य में पुराना विश्राम गृह के सभागार में महिला अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय में कार्यरत महिला सफाई कर्मियों के सम्मान एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन द्वितीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, साक्षी दीक्षित के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कु. स्रुति साहू, प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट, कनिष्ठ श्रेणी, कु. सार्विका चतुर्वेदी, द्वितीय न्यायिक मजिस्ट्रेट, कनिष्ठ श्रेणी, वरिष्ठ अधिवक्ता सलमा शरिफ नम्रता त्रिपाठी, श्वेता देवागंन, आभा मलाकी व अन्य कनिष्ठ महिला अधिवक्तागण, न्यायालयीन महिला कर्मचारीगण, डीएलएसए के महिला कर्मचारीगण, एलएडीसीएस के महिला अधिवक्तागण, जिला न्यायालय स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत् स्टॉफ नर्स, नगर पालिका के महिला सफाई कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालेंटियर्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय सरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में समस्त उपस्थित अतिथिगण एवं उपस्थित समस्त नारी शक्ति का स्वागत बैच लगाकर किया गया एवं नारी शक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मोमेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उक्त विशेष दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय सरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा द्वारा स्वागत भाषण में कहां गया कि नारी शक्ति का प्रतीक है, नारी से ही सृष्टि की संरचना होती है। नारी का सम्मान करने का कोई विशेष दिन नही होता, नारी हमेशा पूजनीय है। साक्षी दीक्षित, द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है तो वह ना केवल अपना जीवन बदलती है बल्कि सामाज का एक नई दिशा देने का कार्य करती है। यही कारण है कि विश्व भर में नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि महिला अपनी पहचान खुद बना सके और सामाज में किसी भी क्षेत्र में पीछे ना रहे। आज के दौर में महिलाए हर क्षेत्र में अपने प्रतिभा का परिचय से रही है। शिक्षा, खेल, राजनीति और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने सम्मान, सुरक्षा व समानता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नवीन निर्माणाधीन न्यायालय भवन में कार्यरत महिला श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला श्रमिकों को शिक्षा आत्मनिर्भरता और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया तथा महिला श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन कराया गया। उक्त अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों के द्वारा भी विभिन्न ग्राम पंचायतों देवरी, टाउन हॉल कन्तेली. ईट भट्ठा तिलाईकडा, मणिकंचन बेमेतरा, ग्राम पंचायत करमु, ग्राम पंचायत काचरी में जागरूकता शिविर का आयोजन कर दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम निषेध और निवारण अधिनियम 2013. पीडित क्षतिपूर्ति योजना बाल विवाह निवारण अधिनियम 2006, मुफ्त कानूनी सहायता इत्यादि के संबंध में जानकारी दी गई।

नगर पालिका में धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

बेमेतरा। नगर पालिका में होली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा जिला अध्यक्ष अजय साहू हर्ष तिवारी नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा सभापति पंचू साहू विकाश तंबोली गौरव साहू आकिब मलकानी निखिल साहू राजू साहू प्रकाश ठाकुर तामेश्वर साहू टंडन रवि मुलानी केशव साहू योगेश वर्मा निशा चौबे रोशन दत्ता दोहाई वर्मा भानु साहू सावित्री बाई एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया। समारोह के दौरान आपसी मेल-मिलाप और खुशियों का माहौल देखने को मिला, जहां सभी ने मिलकर होली पर्व की खुशियां साझा की।

न्याय की चौखट पर शक्ति का वंदन :उच्च न्यायालय, बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

न्यायपालिका से जुड़े 54 महिलाओं को किया सम्मानित

बिलासपुर, दुर्ग, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के यूनिटी ऑडिटोरियम में10 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। न्यायाधीशगण एवं विशिष्ट अतिथियों के आगमन के उपरांत राष्ट्रीय गान के पश्चात पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर न्यायपालिका से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती रजनी दुबे न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, महिला न्यायिक अधिकारीगण, महिला अधिवक्तागण एवं माननीय उच्च न्यायालय में कार्यरत विभिन्न श्रेणी के महिला कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान एवं सेवाओं के लिए कुल 54 महिलाओं को सम्मानित किया गया। यह आयोजन न्यायिक व्यवस्था एवं समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका, उनकी उपलब्धियों तथा उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना।

इस गरिमामय अवसर पर माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच न्यायालय, बिलासपुर द्वारा प्रेरणादायक उद्बोधन में प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं के अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में उनकी शक्ति, दृढ़ता और समर्पण की सराहना की। उन्होंने वर्ष 2026 का थीम ÷तद्ध1द्द ह्रश तड्ढद्दठु÷ विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना तथा उन्हें बेंच और बार में समान अवसर प्रदान करना न्यायपालिका, विधि के शासन तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी केवल समानता का प्रश्न नहीं है, बल्कि इससे न्याय व्यवस्था अधिक संवेदनशील, संतुलित और

सशक्त बनती है। जब महिलाओं को न्यायपालिका में समान अवसर दिए जाते हैं तथा उनके सशक्तिकरण को प्रोत्साहित किया जाता है, तो इसका लाभ केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे समाज और कानून के शासन को सुदृढ़ बनाता है।÷

माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने इस अवसर पर उच्च न्यायालय, जिला न्यायालयों. सिविल न्यायालयों तथा राज्य के अन्य कार्यालयों एवं विभागों में कार्यरत महिलाओं के समर्पण : योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता अं विधिक क्षेत्र को समृद्ध बनाती है तथा न्याय को निष्पक्ष और संतुलित बनाए रखने में मह निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल महिलाओं के सम्मान का अवसर ही नहीं है, बल्कि यह समाज में समानता का अवसर, सुरक्षा और समावेशिता सुनिश्चित करने के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धतासशक्त बनती है। जब महिलाओं को न्यायपालिका में समान अवसर दिए जाते हैं तथा उनके सशक्तिकरण को प्रोत्साहित किया जाता है, तो इसका लाभ केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे समाज और कानून के शासन को सुदृढ़ बनाता है।÷

माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने इस अवसर पर उच्च न्यायालय, जिला न्यायालयों, सिविल न्यायालयों तथा राज्य के अन्य कार्यालयों एवं विभागों में कार्यरत महिलाओं के समर्पण और महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता विधिक क्षेत्र को समृद्ध बनाती है तथा न्याय को निष्पक्ष और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल महिलाओं के सम्मान का अवसर ही नहीं है, बल्कि यह समाज में समानता का अवसर, सुरक्षा और समावेशिता सुनिश्चित करने के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करने का भी अवसर है।

यह उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्य न्यायमूर्ति महोदय के मार्गदर्शन में राज्य के समस्त जिला न्यायालयों में भी अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर जिला न्यायपालिका से संबद्ध विभिन्न श्रेणी के महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किये जाने हेतु गरिमामय सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय श्री न्यायाधीश पार्थ प्रतीम साहू, माननीय श्रीमती न्यायाधीश रजनी दुबे, माननीय श्री न्यायाधीश नरेन्द्र कुमार व्यास, माननीय श्री न्यायाधीश नरेश कुमार चंन्द्रवंशी, माननीय श्री न्यायाधीश सचिन सिंह राजपूत, माननीय श्री न्यायाधीश राकेश मोहन पाण्डेय, माननीय श्री न्यायाधीश राधाकिशन अग्रवाल, माननीय श्री न्यायाधीश संजय कुमार जायसवाल, माननीय श्री न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल, माननीय श्री न्यायाधीश अरविन्द कुमार वर्मा, माननीय श्री न्यायाधीश बिभू दत्ता गुरु एवं माननीय श्री न्यायाधीश अमितेन्द्र किशोर प्रसाद, महाधिवक्ता, वरिष्ठ अधिवक्तागण, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, अधिवक्तागण, छत्तीसगढ़ उच न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, न्यायिक कर्मचारीगण एवं माननीग जा न्यायालय में सेवा देने वाले अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महतारी वंदन योजना की राशि से अपने व्यायपार को बढ़ाया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना से ग्राम डुमरतराई की निवासी रमोलिया बाई यादव ने अपनी मेहनत, लगन और हिम्मत के दम पर एक छोटी-सी शुरुआत को सफल व्यवसाय में बदल दिया। दो गायों से शुरू किया गया उनका छोटा दूध का काम आज एक छोटी डेयरी के रूप में विकसित हो चुका है और उनकी कहानी क्षेत्र की कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। रमोलिया बाई यादव के परिवार की आर्थिक स्थिति पहले बहुत अच्छी नहीं थी। घर की जिम्मेदारियों को संभालते हुए उन्होंने आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। उन्होंने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग करते हुए दो गायें खरीदीं और दूध का छोटा व्यवसाय शुरू किया। वे रोज सुबह-शाम स्वयं गायों का दूध निकालतीं और आसपास के लोगों को दूध बेचती थीं। धीरे-धीरे मेहनत और बचत के बल पर उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। दूध बेचने से होने वाली कमाई से उन्होंने और गायें खरीदीं। कुछ ही वर्षों में उनका यह छोटा काम एक छोटी डेयरी में बदल गया। आज वे दूध के साथ-साथ दही, घी और पनीर भी तैयार कर बेचती हैं, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है। रमोलिया बाई यादव की डेयरी इस बात का उदाहरण है कि कोई भी बड़ा काम छोटी शुरुआत से ही आगे बढ़ता है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाएं महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रही हैं। रमोलिया बाई यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं से ग्रामीण महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की मदद से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और सम्मानपूर्वक जीवन जी पा रही हैं। आज रमोलिया बाई यादव की सफलता की कहानी आसपास के गांवों की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है, जो यह संदेश देती है कि मेहनत और आत्मविश्वास से हर सपना पूरा किया जा सकता है।

नशे में रफ्तार पर रायपुर पुलिस का शिकंजा! 10 दिनों में 614 ड्रंक ड्राइवर पकड़े, ऑडी-बीएमडब्ल्यू भी जप्त

रायपुर। नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों में चलाए जा रहे सघन अभियान में पिछले 10 दिनों के भीतर 614 नशेड़ी वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान पुलिस ने कई महंगी कारों को भी पकड़ा, जिनमें ह्लह्व और क्व्ह्व जैसी लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल विकास कुमार के निर्देशन में शहर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार रायपुर में हर साल करीब 600 लोगों की मौत सड़क हादसों में होती है और इनमें बड़ी वजह नशे की हालत में वाहन चलाना माना जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने शहरभर में सख्त चेकिंग अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत 8 मार्च को तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक ही दिन में छह अलग-अलग चेकिंग प्वाइंट लगाए गए, जहां 86 नशे में वाहन चलाने वाले चालक पकड़े गए। पुलिस ने मौके पर ही उनकी जांच कर वैधानिक कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का मकसद लोगों को परेशान करना नहीं बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और शहरवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें और तेज रफ्तार व लापरवाही से होने वाले हादसों से सबक लें, ताकि खुद और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

चाकू लेकर घूम रहे बदमाश और अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार, नशे में हंगामा करने वाले भी दबोचे

रायपुर। रायपुर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना गंज पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों और अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं सार्वजनिक स्थान पर नशाखोरी कर उपद्रव मचाने वाले तीन युवकों पर भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अवैध रूप से चाकू रखने के आरोप में पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में राज नायडू (28 वर्ष) निवासी नर्मदा पारा, कृष्ण मंदिर के पीछे और नरोत्तम दास मानिकपुरी (22 वर्ष) निवासी रेलवे स्टेशन के पास, रायपुर शामिल हैं। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 तथा 27 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चुनाभट्ठी निवासी कमलेश मुदलियार (27 वर्ष) को व्यावसायिक मात्रा में अवैध शराब रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इसके अलावा गंज पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी कर हंगामा करने वालों पर भी शिकंजा कसा। कार्रवाई के दौरान भावेश सेन (19 वर्ष) निवासी मुर्रा भट्ठी गुढ़ियारी, विशाल पंडा (19 वर्ष) निवासी मेन पड़ाव गुढ़ियारी और अश्वनी बघेल (18 वर्ष) निवासी देवेंद्र नगर को पकड़ा गया। इनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170/126 और 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के लिए भेजा गया है।

पक्की छत के नीचे,सुकून भरी जिंदगी मिली जयनाथ को

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली जयनाथ की जिंदगी प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब परिवारों को पक्का मकान देकर उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। इस योजना के तहत सभी पात्र परिवारों को पक्का घर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीजी जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का घर मिल रहे हैं। जिला सूरजपुर के जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत सत्यनगर निवासी जयनाथ के जीवन में अब एक नई सुबह आई है - एक ऐसी सुबह, जो पक्की छत के नीचे, सुकून और स्वाभिमान के साथ शुरू होती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) लाखों गरीब परिवारों को सिर्फ आशियाना नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और एक बेहतर भविष्य की नींव दे रही है।

श्रमिक सम्मेलन का हुआ आयोजन

विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को मिला आर्थिक सहायता

- 9556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत 10 करोड़ 42 लाख रुपये से अधिक की सहायता
- सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक किया गया वितरित

रायपुर/ संवाददाता

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 9 हजार 556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 10 करोड़ 42 लाख 7 हजार 343 रूपए की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। इनमें मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना और मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना शामिल हैं। श्रमिक सम्मेलन को सम्बोधित

करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मजदूरों द्वारा विभिन्न प्रकार के काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ऐसे में यदि किसी श्रमिक के साथ कोई दुर्घटना हो जाती थी तो उसके परिवार को जीवन भर आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल का गठन किया गया। मंडल के माध्यम से प्रदेश के मजदूर भाई-बहनों का श्रम विभाग में पंजीयन शुरू किया गया और श्रमिक कार्ड बनाए गए, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे वे घर बैठे काम कर सकें। राज्य में गरीबों के लिए दो रुपये किलो चावल की योजना भी शुरू की गई थी। पहले यह सुविधा केवल गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले परिवारों को मिलती थी, लेकिन बाद में श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक कार्ड धारकों को भी इसका लाभ मिलने लगा। इस तरह श्रमिकों को राशन कार्ड और श्रम कार्ड के माध्यम से खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मंत्री श्री यादव ने श्रमिकों से अपील की है कि वे श्रम विभाग में पंजीयन कराकर इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर डॉ राम प्रताप सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने भी मंडल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कांग्रेस भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने का केंद्र बन चुकी है-अमित कुमार साहू

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री अमित साहू ने दुर्ग जिले में अफीम की खेती के सामने आए मामले में प्रदेश सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई और आरोपी के भाजपा से निष्कासन के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिशों पर जमकर हमला बोला। भाजपा प्रदेश मंत्री साहू ने कहा कि इस पूरे मामले में कांग्रेस को अपना गिरेबाँ झाँकना चाहिए, जहाँ भ्रष्टाचार और अपराधों में संलिप्त और जेल तक जा चुके लोगों पर न तो निलम्बन-निष्कासन की कोई कार्रवाई हुई और न ही कोई इन मामलों को लेकर अपने जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के खिलाफ चूँ तक कर रहा है। साहू रविवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत महती पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। भाजपा प्रदेश महामंत्री अमित साहू ने स्पष्ट किया कि भाजपा 'शुचिता' की राजनीति करती है, जबकि कांग्रेस भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने का केंद्र बन चुकी है। जैसे ही अफीम की खेती के मामले में एक कार्यकर्ता की संलिप्तता की जानकारी सामने आई, भाजपा नेतृत्व ने बिना किसी देरी के कड़ा निर्णय लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आधी रात को ही संबंधित कार्यकर्ता का निष्कासन पत्र जारी कर दिया। भाजपा में गलत प्रवृत्ति और आपराधिक

कार्यों में संलग्न लोगों के लिए कोई स्थान न कभी था, और न कभी होगा। साहू ने कांग्रेस पर तीखे सवालों की बौछार करते हुए कांग्रेस के भ्रष्टाचार और दोहरे चरित्र का कच्चा चिट्ठा सामने रखकर कहा कि छत्तीसगढ़ की छवि को वैश्विक स्तर पर धूमिल करने वाले महादेव सट्टा एप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर करोड़ों के लेन-देन के गंभीर आरोप लगे और जाँच में साक्ष्य भी सामने आए, लेकिन कांग्रेस ने इस पर कभी कोई संज्ञान नहीं लिया। प्रदेश में 3000 करोड़ रुपये से अधिक का शराब घोटाला हुआ। इस मामले में कवासी लखमा जेल की हवा खा चुके हैं, इसके बावजूद कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निकालने के बजाय आज भी अपना सदस्य और विधायक बनाए रखा है। कोयला घोटाला मामले में विधायक अमरजीत भगत और देवेंद्र यादव के नाम प्रमुखता से आए, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने आज तक इनके विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई या निष्कासन नहीं किया। पीडीएस के चावल घोटाले में कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल का नाम सामने आया। वे आज तक पुलिस और जाँच एजेंसियों से फरार चल रहे हैं, फिर भी कांग्रेस उन्हें अपना कार्यकर्ता मानकर संरक्षण दे रही है।

ईको-पर्यटन की दिशा में बड़ा कदम : धमनी में नौकाविहार सुविधा शुरू

- महानदी तट स्थित ईको-पर्यटन ग्राम धमनी में शुरू हुई नई सुविधा, वन प्रबंधन समितियों और स्थानीय युवाओं के लिए खुले रोजगार के नए अवसर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों की आजीविका सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत ईको-पर्यटन ग्राम धमनी में नौकाविहार सुविधा का शुभारंभ किया गया। महानदी के रमणीय तट पर शुरू की गई इस नई सुविधा से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ-साथ वन प्रबंधन समितियों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए आय के नए अवसर भी विकसित होंगे। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि ईको-पर्यटन गतिविधियाँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जनसहभागिता के माध्यम से प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए धमनी क्षेत्र को एक आदर्श ईको-पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वन प्रबंधन समितियों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ईको-पर्यटन गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है। धमनी को एक मॉडल ईको-विलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य जारी है, जहाँ प्रकृति आधारित पर्यटन की विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही पर्यटकों के ठहरने के लिए भी बेहतर व्यवस्थाएँ विकसित की जा रही हैं, जिससे प्राकृतिक वातावरण के बीच पर्यटन का अनुभव और अधिक आकर्षक व यादगार बनाया जा सके। महानदी के तट पर स्थित धमनी का प्राकृतिक सौंदर्य लंबे समय से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। हरियाली से आच्छादित वातावरण, शांत नदी तट और मनोहारी दृश्यावलियाँ इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील बनाती हैं। इन्हीं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यहां ईको-पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। नौकाविहार सुविधा प्रारंभ होने से अब पर्यटक महानदी की शांत लहरों के बीच नौकायन का आनंद ले सकेंगे, जिससे क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

नारी शक्ति के उत्थान को समर्पित है भाजपा सरकार-किरण देव......

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की समस्त माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। श्री देव ने कहा कि आज का दिन नारी शक्ति के अदम्य साहस, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनकी अतुलनीय भूमिका को नमन करने का दिन है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने इस मौके पर नारी शक्ति के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर महिलाओं को लोकतंत्र

में उनकी सही भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और मुद्रा योजना के जरिए केंद्र सरकार ने महिलाओं के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। श्री देव ने ?मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आभार माना और कहा कि छत्तीसगढ़ में श्री साय की सरकार ने 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से प्रदेश की लाखों विवाहित महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया है। यह योजना केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य महिला सशक्तीकरण के आर्थिक आयाम को नई ऊँचाई दे रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलम्बन इन चारों स्तम्भों पर ध्यान केंद्रित किया है। श्री देव ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश भाजपा संगठन और सरकार कंधे-से-कंधा मिलाकर छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है।

भाठागांव बस स्टैण्ड से यात्री बस पार.....

रायपुर। राजधानी में अब कार बाइक के इतर बड़े भारी वाहनों की चोरियां होने लगी है। नया बस स्टैंड से एक बस चोरी कर ली गई। हिमालियन हाइट्स निवासी अब्दुल अलीम 48 ने कल शाम रिपोर्ट दर्ज कराई। टिकरापारा पुलिस के अनुसार 6 मार्च की रात भाठागांव नया बस स्टैंड में खड़ी बस सीजी 07ई0782 चोर ले भागे। पुलिस ने धारा 305 दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस बस स्टैंड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फूटेज से आरोपियों की पड़ताल कर रही है। इससे पहले होली के दिन तेलीबांधा के काली मंदिर के पास खड़े 12 चक्का ट्रक चोरी कर ली गई थी। पुलिस ने चोरों को सारंगढ़ से गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त किया था।

उत्कृष्ट कार्य करने वालो महिलाओं को किया गया सम्मानित

सशक्त नारी,समृद्ध समाज की आधारशिला-कैबिनेट मंत्री लखनलाल

- कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय महतारी वंदन सम्मेलन का हुआ आयोजन
- बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय व पंचायतो को प्रमाण पत्र किया गया प्रदान

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के आतिथ्य में कल कोरबा नगर के राजीव गांधी ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की विभिन्न क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने वालो महिलाओं को सम्मानित एवं बाल विवाह मुक्त पंचायतो को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, नगर निगम सभापती श्री नूतन सिंह ठाकुर, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री तरुण कुमार किरण, सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश नाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बसंत मिंज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सभी माताओं, बहनों और बेटियों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति, प्रशासन सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं,

जिससे महिलाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं। पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व दोनों मजबूत हुए हैं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सशक्त महिलाएं ही मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं। महिलाएं आज पहले से अधिक सशक्त और मजबूत हुई हैं तथा देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा राज्य में सरकार गठन के साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इससे महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है और वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार और आय के अवसर मिल रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्रहण जैसे कार्यों से भी ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों की महिलाओं की आय बढ़ रही है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने जिले में बाल विवाह रोकथाम के लिए शासन और प्रशासन द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज को जागरूक बनाकर ही इस कुप्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी से महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने का आग्रह किया। महापौर श्रीमती राजपूत ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि देश में महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

संपादकीय

युद्ध के बिगड़ते स्वरूप के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभावकि ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं।

आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?1 मार्च 2026 को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैय्यद अली हुसैनी ख़ामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों में हत्या कर दी गई। जारी वार्ताओं के बीच किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक गंभीर दरार का संकेत है। किंतु इस घटना की स्तब्धता से परे, जो बात उतनी ही स्पष्ट रूप से सामने आती है, वह है नई दिल्ली की चुप्पी। भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की है।

ईरान संकट पर क्यों चुप है सरकार, क्या हम अपनी विदेश नीति की आत्मा खो रहे हैं?

(सोनिया गांधी)

ईरानी संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट आपत्ति दर्ज की है। प्रारंभ में, अमेरिकी-इजरायली हमले की अनदेखी करते हुए, प्रधानमंत्री ने केवल ईरान द्वारा यूएई पर की गई जवाबी कार्रवाई की निंदा तक स्वयं को सीमित रखा, और उससे पहले घटित घटनाक्रम पर मौन साधे रखा। बाद में उन्होंने गहरी चिंता और संवाद एवं कूटनीति की बातें कहीं—जबकि ठीक यही प्रक्रिया उन बड़े और उकसावे रहित हमलों से पहले जारी थी जिन्हें इज़राइल और अमेरिका ने शुरू किया। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर यदि हमारा देश संप्रभुता या अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में स्पष्ट आवाज़ नहीं उठाता और निष्पक्षता से हटता हुआ दिखता है, तो यह हमारी विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इस संदर्भ में चुप्पी को तटस्थता नहीं माना जा सकता। यह हत्या बिना औपचारिक युद्ध-घोषणा के और एक चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान की गई। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(4) किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग या उसकी धमकी को निषिद्ध करता है। किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या इन सिद्धांतों के मूल पर प्रहार करती है। यदि ऐसे कृत्य विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांतनिष्ठ आपत्ति के बिना गुजर जाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण सामान्यीकृत होना आसान हो जाता है।

महज 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इजरायल यात्रा से लौटे

स्थिति की गंभीरता समय-परिस्थिति से और बढ़ जाती है। हत्या से महज 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इज़रायल यात्रा से लौटे थे, जहाँ उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के प्रति अपना स्पष्ट समर्थन दोहराया-जबकि गाज़ा में भारी नागरिक हताहतों को लेकर वैश्विक स्तर पर आक्रोश जारी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक दक्षिण के कई देश, साथ ही ब्रिक्स में भारत के साझेदार रूस और चीन, इज़राइल से दूरी बनाए हुए हैं, भारत का यह उच्च-प्रोफ़ाइल राजनीतिक समर्थन नैतिक स्पष्टता के बिना एक चिंताजनक विचलन प्रतीत होता है। इस घटना के प्रभाव केवल भू-राजनीति तक सीमित नहीं हैं; इसकी प्रतिध्वनियाँ महाद्वीपों में दिखाई दे रही हैं। और भारत की स्थिति इस त्रासदी के प्रति मौन स्वीकृति का संकेत देती प्रतीत होती है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ईरानी भूमि पर बमबारी और हत्याओं की स्पष्ट शब्दों में निंदा की है, और इसे क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणामों वाली खतरनाक वृद्धि बताया है। हमने ईरानी जनता तथा विश्वभर के शिया समुदायों के प्रति संवेदना व्यक्त की है, और दोहराया है कि भारत की विदेश नीति विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में परिलक्षित होता है। संप्रभु समानता, अहस्तक्षेप और शांति के संवर्धन जैसे सिद्धांत ऐतिहासिक रूप से भारत की कूटनीतिक पहचान का अभिन्न अंग रहे हैं। वर्तमान संकोच इसलिए केवल सामरिक नहीं, बल्कि हमारे घोषित मूल्यों से असंगत प्रतीत होता है।

भारत के लिए यह प्रकरण विशेष रूप से चिंताजनक है। ईरान के साथ हमारे संबंध सभ्यतागत होने के साथ-साथ रणनीतिक भी रहे हैं। 1994 में, जब इस्लामिक सहयोग संगठन के कुछ तत्वों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर को लेकर भारत के विरुद्ध प्रस्ताव लाने का प्रयास किया

था, तब तेहरान ने उस प्रयास को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस हस्तक्षेप ने भारत के आर्थिक परिवर्तन के संवेदनशील दौर में कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण को रोका। ईरान ने ज़ाहेदान में, पाकिस्तान सीमा के निकट, भारत की कूटनीतिक उपस्थिति को भी सक्षम बनाया-जो ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विकास के प्रति एक रणनीतिक संतुलन का कार्य करता है।

'मोदी सरकार को वाजपेयी की यात्रा याद रखनी चाहिए'

वर्तमान सरकार को यह स्मरण रखना चाहिए कि अप्रैल 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेहरान की आधिकारिक यात्रा के दौरान ईरान के साथ भारत के गहरे, सभ्यतागत और समकालीन संबंधों की गर्मजोशी से पुनः पुष्टि की थी। उन दीर्घकालिक संबंधों की उनकी वह स्वीकृति और सराहना आज की सरकार के लिए मानो अप्रासंगिक प्रतीत होती है।

हाल के वर्षों में इजरायल के साथ भारत के संबंध रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विस्तृत हुए हैं। किंतु यही तथ्य कि भारत तेहरान और तेल अवीव दोनों से संबंध रखता है, उसे संयम की अपील करने का कूटनीतिक अवसर प्रदान करता है। परंतु ऐसा अवसर विश्वसनीयता पर निर्भर करता है। और विश्वसनीयता सिद्धांत-आधारित आचरण से आती है, न कि तात्कालिक सुविधा से।

यह केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी क्षेत्र में निवास और कार्य करते हैं। अतीत के संकटों, जैसे गल्फ युद्ध से लेकर यमन, इराक और सीरिया तक में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भारत की क्षमता उसकी स्वतंत्र पहचान पर आधारित रही है, न कि किसी शक्ति-गुट के प्रतिनिधि के रूप में।

यह विश्वसनीयता संयोग से निर्मित नहीं हुई थी। स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी - निष्क्रिय तटस्थता के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के सचेत आग्रह के रूप में। यह महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा में समाहित होने से इनकार था। वर्तमान क्षण यह प्रश्न उठाता है कि क्या वह रुख कमजोर पड़ रहा है। शक्तिशाली देशों द्वारा एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर अनालोचनात्मक मौन उस सिद्धांत से पीछे हटने जैसा प्रतीत होता है - और प्रभावतः हमारी विरासत से विमुखता का संकेत देता है।

यह केवल इतिहास का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत की वर्तमान आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। जो देश स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, उसके लिए मौन स्वीकृति की छवि नुकसानदायक होगी। यदि संप्रभुता की अवहेलना बिना परिणाम के संभव है, तो छोटे राष्ट्र शक्तिशाली देशों की इच्छाओं के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। भारत बार-बार नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता रहा है, जो कमजोरों को बलपूर्वक दबाव से बचाए। किंतु यदि यह सिद्धांत तब न बोला जाए जब परीक्षा तत्काल और असुविधाजनक हो, तो वह तर्क खोखला प्रतीत होता है। यदि आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?

'इस संगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद'

इस असंगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद है। जब वह पुनः आहूत होगी, तब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के इस विघटन और उस पर भारत की चुप्पी पर खुली बहस होनी चाहिए। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण और पश्चिम एशिया में बढ़ती अस्थिरता—ये सब भारत के रणनीतिक हितों और नैतिक प्रतिबद्धताओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े प्रश्न हैं। भारत की स्थिति की स्पष्ट अभिव्यक्ति अब अनिवार्य है। लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व इसकी मांग करता है और रणनीतिक स्पष्टता भी।

भारत लंबे समय से 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्श का आह्वान करता रहा है और इस बात को दोहराता रहा है कि विश्व एक परिवार है। यह सभ्यतागत भावना केवल औपचारिक कूटनीति का नारा नहीं; यह न्याय, संयम और संवाद के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है, भले ही वह असुविधाजनक क्यों न हो। जब नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट दबाव में हो, तब मौन सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान है। भारत ने स्वयं को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति से अधिक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है; उसने संप्रभुता, शांति, अहिंसा और न्याय के पक्ष में बोलने वाली आवाज़ बनने की आकांक्षा की है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों। आज आवश्यकता है कि हम उस नैतिक शक्ति को पुनः स्मरण करें और उसे स्पष्टता तथा दृढ़ता के साथ व्यक्त करें। (लेखिका कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद हैं।)

खामेनेई की हत्या के बाद ईरान में आगे क्या होगा? ट्रंप और नेतन्याहू की जोड़ी ने पैदा किए खतरनाक हालात

(पवन उपरेति)

ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसलिए युद्ध के जल्द रुकने के कोई आसार नहीं दिखते। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या मध्य पूर्व में बहुत बड़ा घटनाक्रम है। खामेनेई की हत्या के बाद ईरान और इसके आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर उथल-पुथल हो सकती है। ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पिछले साल जून में हुए संघर्ष के दौरान खामेनेई को निशाना बनाने से रोका था लेकिन इस बार ट्रंप ने खुद इसकी अगुवाई की। हालांकि 1989 में जब खामेनेई सुप्रीम लीडर बने थे तब और अब के हालात में काफी अंतर है। देश में धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर लोग बेहद गुस्से में हैं। ऐसे हालत में जब तक कुछ बड़ी राजनीतिक और धार्मिक रियायतें नहीं दी जाती, ईरान में धार्मिक नेतृत्व की पकड़ बने रहना मुश्किल हो जाएगा। दूसरा सवाल यह है कि क्या खामेनेई के जाने के बाद भी ईरान में स्थिरता रहेगी? खामेनेई की हत्या के तुरंत बाद इजरायल ने ईरान पर अपने हमले तेज कर दिए। यह हमले पिछले साल से कहीं ज्यादा बड़े थे। तीसरा सवाल यह है कि क्या गृह युद्ध छिड़ जाएगा? ईरान ने जब अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए तो उसने अरब में अपने दुश्मनों और दोस्तों के बीच कोई फर्क नहीं किया। उसकी मिसाइल और ड्रोन ने ओमान और कतर सहित खाड़ी के छह देशों को निशाना बनाया जबकि 1979 से ही ओमान ने कभी भी ईरान के खिलाफ रुख नहीं अपनाया। ईरान की सरकार के वरिष्ठ अफसरों ने संकेत दिया है कि ईरान की सेना 'स्वतंत्र' रूप से कम कर रही है और अगर ऐसा ही जारी रहा तो गृह युद्ध छिड़ सकता है। यह भी संभावना है कि नरमपंथियों और कट्टरपंथियों के बीच लंबे समय से चल रहा सत्ता संघर्ष एक खुली लड़ाई में तब्दील हो जाएगा। चौथा सवाल इस बात का है कि क्या ईरान में सत्ता परिवर्तन होगा? ईरान का इतिहास बताता है कि बाहर के दखल से सत्ता परिवर्तन कम ही होता है। 1979 में ईरान में हुई इस्लामिक क्रांति के लिए जनता ने लंबा संघर्ष किया था। इसी तरह बड़ी संख्या में ऐसे ईरानी जो मौलवियों के शासन को पसंद नहीं करते, उनके लिए इसे उखाड़ फेंकना भी आसान नहीं होगा इसके लिए लोगों को सड़कों पर उतरना होगा। पांचवा सवाल यह है कि खामेनेई की विरासत का क्या होगा? खामेनेई लंबे वक्त तक ईरान के राष्ट्रपति रहे और 1989 के बाद सुप्रीम लीडर बने। उनके लंबे शासन का असर ईरान पर पड़ा। कई ईरानी उन्हें इस्लाम के दुश्मनों का शिकार मानते हैं, इसलिए कई लोग उनकी तुलना इमाम अली से कर रहे हैं। छठा सवाल यह है कि क्या ईरान में सांप्रदायिक तनाव बढ़ेगा? खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने छह खाड़ी देशों में शामिल जॉर्डन, साइप्रस और उत्तरी इराक को भी निशाना बनाया। अब देश जॉर्डन साइप्रस और उत्तरी इराक में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसका असर आबादी वाले इलाकों पर भी हुआ। इससे अरबी-फारसी बंटवारा और गहरा हो गया है। ईरान को इसे हल करना आसान नहीं होगा। सातवां सवाल यह है कि क्या खामेनेई की मौत के बाद वलायत-ए-फकीह का पद रहेगा? जब अयातुल्लाह खोमैनी ने खुद को 'गार्डियन ऑफ द ज्यूरिस्ट' घोषित किया था, तब से इस पद को लेकर शिया इस्लाम के धर्मगुरुओं में मतभेद रहे हैं। इसलिए खामेनेई की मौत के बाद इस पद का क्या होगा, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

आठवां सवाल है कि अंत में क्या होगा? इसका जवाब है कि युद्ध कभी भी आसानी से खत्म नहीं होते। अमेरिका और इजरायल अपने सैन्य अभियानों को लगातार तेज कर रहे हैं और ऐसा नहीं लगता कि इस युद्ध का तत्काल कोई अंत होगा। ईरान के जवाबी हमलों ने सदियों पुराने अरब-फारसी और सुन्नी-शिया विवाद को फिर भड़का दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसलिए युद्ध के जल्द रुकने के कोई आसार नहीं दिखते। ट्रंप और नेतन्याहू की जोड़ी ने ऐसे खतरनाक हालात पैदा कर दिए हैं जिसमें इस हिंसा का अंत नहीं दिखाई देता।(लेखक पीआर कुमारस्वामी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पढ़ाते हैं।)

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

(ललित गर्ग)

यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या 'प्राणवायु' के समान है। यह फैसला आप को 'कट्टर ईमानदार' की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय 'राजनीतिक प्रतिशोध' के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की

है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा। न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने। लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जिला न्यायालय में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को सम्मान पत्र के साथ स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय कोण्डागांव, तालुका केशकाल एवं तालुका जिला नारायणपुर में महिला दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम किरण चतुर्वेदी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय कोंडागांव में कार्यरत समस्त महिला कर्मचारियों का तिलक व वैच लगाकर अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों एवं गठित समिति द्वारा जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक कर्मचारियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर सम्मान पत्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रेशमा बैरागी पटेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि महिलाएं समाज की शक्ति, प्रेरणा का स्त्रोत है तथा उनके योगदान से समाज और राष्ट्र की प्रगति संभव होती है। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया और महिलाओं के समर्पण, परिश्रम और उपलब्धियों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों ने कहा कि महिलाऐं हमारे समाज की शक्ति है एक महिला कभी मां बनकर कभी बहन बनकर, कभी बेटी बनकर और कभी सशक्त नेता बनकर समाज को आगे बढ़ाती है। एक शिक्षित और सशक्त महिला पूरे परिवार और समाज को मजबूत बनाती है। इस कार्यक्रम में गठित समिति के अध्यक्ष रेशमा बैरागी पटेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव एवं सदस्य गायत्री साय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव व उमाकांत स्वाई, न्यायालय उपाधीक्षक एवं जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक महिला कर्मचारीगण, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य समस्त न्यायिक कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा महिला सशक्तिकरण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इसके अतिरिक्त तालुका जिला नारायणपुर में पदस्थ न्यायाधीश प्रतिभा मरकाम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं तालुका केशकाल में पदस्थ न्यायाधीश सौम्या राय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा तालुका न्यायालय में कार्यरत समस्त महिला कर्मचारियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर सम्मान पत्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

किरन्दुल वार्ड क्रमांक 1 में किया गया मकान सूचीकरण का कार्य

किरन्दुल। जनगणना 2027 का आगाज करते हुए किरन्दुल वार्ड क्रमांक 01 मंगलवार मकानसूचीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया।इस अवसर पर नगरपालिका परिषद किरंदुल के मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र,सुपरवाइजर शंकर चौधरी,सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर तिवारी उपस्थित थे मकानों में क्रमांक लिखने का कार्य मान सिंह नाग अश्विनी पटेल और नरेश पाल ने किया। आज के दिवस में कुल 149 मकानों में क्रमांक दर्ज किया जा चुका है।यह कार्य किरंदुल शहर के पूरे 18 वार्ड में किया जाएगा।

लो वोल्टेज से परेशान किसानों का फूटा गुस्सा किसानों ने किया हाई वोल्टेज विरोध प्रदर्शन

केशकाल । केशकाल विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से बनी हुई लो वोल्टेज और अनियमित बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर गुरुवार को किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। केशकाल, बड़ेराजपुर और धनोरा क्षेत्र के सैकड़ों किसान केशकाल स्थित रावणभाटा मैदान में एकत्रित हुए और बिजली व्यवस्था को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एक स्वर में शासन-प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में किसान विद्युत विभाग कार्यालय का घेराव करेंगे और उग्र आंदोलन भी किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश नेताम ने बताया कि क्षेत्र में लगातार लो वोल्टेज और बिजली कटौती के कारण सिंचाई कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बिजली की कमी के चलते मोटर पंप ठीक से नहीं चल पा रहे हैं, जिससे खेतों में लगी फसलें प्रभावित हो रही हैं। किसानों ने बताया कि इस समस्या के कारण उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में समय पर पानी नहीं पहुंच पाने से फसलों की स्थिति भी खराब हो रही है और किसानों की मेहनत पर पानी फिरने की स्थिति बन रही है। पूर्व जनपद अध्यक्ष महेंद्र नेताम ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से क्षेत्र के किसान लो वोल्टेज और अनियमित बिजली आपूर्ति से जूझ रहे हैं। किसानों का आरोप है कि करीब 10 वर्षों से स्थिति में सुधार होने के बजाय और खराब होती जा रही है, लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस और प्रभावी पहल नहीं कर रहा है। किसानों ने प्रशासनिक लापरवाही और शासन की उदासीनता को ही इस समस्या का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि इसका खामियाजा सीधे तौर पर ग्रामीणों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। यह संपूर्ण प्रदर्शन कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया था। जिसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश नेम, महेंद्र नेताम, सुमन मंडावी, गिरधारीलाल सिन्हा, सिलुराम मरकाम, संजय ठाकुर, सोनुराम बैद्य, श्रीचंद शोरी, मनीराम गोटा, विनय अग्निहोत्री, ओमप्रकाश मरकाम और ललित सिन्हा समेत बड़ी संख्या में किसान व कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महतारी वंदन योजना से लाभान्वित राधिका सोरी ने मुख्यमंत्री साय का जताया आभार

संभाग स्तरीय महतारी वंदन सम्मेलन का हुआ आयोजन

कोंडागांव। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 मार्च 2026 को लालबहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम, जनपद पंचायत बस्तर, जिला बस्तर में संभाग स्तरीय वृहद महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे बस्तर संभाग से हजारों की संख्या में माताएं, बहनें, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा विभागीय कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। कोण्डागांव जिले के बडेराजपुर परियोजना से विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्र की 10 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। इनमें ग्राम पंचायत कोसमी चनाभर्री निवासी राधिका सोरी भी शामिल हैं, जिन्हें शासन की महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो रही है। राधिका सोरी ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि मिल रही है। इस राशि का उपयोग वे अपने पोता-पोती की शिक्षा, परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यकताओं में करती हैं। इसके साथ ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाकर बचत भी शुरू की है। इस अवसर पर महिलाओं ने शासन की योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का

बस्तर के महतारी वंदन सम्मेलन और संपूर्णता अभियान आयोजन में स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर केंद्रित रही गतिविधियां

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और महतारी वंदन योजना के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बस्तर जिले के नगर पंचायत बस्तर मिनी स्टेडियम में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही, जहाँ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित संपूर्णता अभियान को गति देते हुए एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह और अधिकारियों ने अभियान की सफलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए जागरूकता हेतु सामूहिक शपथ ली। जिले में स्वास्थ्य और पोषण के स्तर को सुधारने के लिए विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत बस्तर जिले के लगभग 2000 आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन किया गया।

बस्तर जिला प्रशासन की जन चौपाल अब बास्तानार में

जगदलपुर। जिले में अब जिला प्रशासन ने बास्तानार विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों में जन चौपाल लगाने की तैयारी पूरी कर ली है। पूर्व में लोहंडीगुड़ा और बकावंड विकासखंडों में सफल आयोजनों के बाद अब यह जन चौपाल बास्तानार विकास खण्ड के ग्राम पंचायतों में आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार आगामी 12 मार्च को बास्तानार की 34 ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों को दायित्व सौंपी गई है, जो सुबह 10 बजे से ही अपने आवंटित ग्राम पंचायत क्षेत्रों में भ्रमण कर मूलभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों का जायजा लेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की महत्त्वपूर्ण योजनाओं जैसे सामाजिक सहायता कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीकाकरण, मध्यान्ह भोजन, पूरक पोषण आहार, हर घर नल-जल और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के क्रियान्वयन का गहन निरीक्षण करना है।

शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

जगदलपुर। कुम्हरावंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण अंचल में महिलाओं के बीच शिक्षा के प्रति अलख जगाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अत्यंत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिसके माध्यम से उन्होंने गाँव की महिलाओं को शिक्षा के महत्व से रूबरू कराया और बेटियों को शिक्षित करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरएस नेताम उपस्थित रहे, जिनके मार्गदर्शन में छात्रों ने सामाजिक जागरूकता का यह अभियान चलाया। कार्यक्रम की सफलता में मातृ शक्ति के रूप में डॉ. सोनाली कर के साथ-साथ डॉ. पदमाक्षी ठाकुर, डॉ. चेतना खांडेकर, डॉ. विनीता पांडेय, डॉ. गुंजा ठाकुर, सोमा बंछोर, शालिनी मिश्रा और ऋचा धुरंधर ने अपनी विशेष भागीदारी सुनिश्चित की। इन महिला विशेषज्ञों ने ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्रगति पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. एके ठाकुर ,डॉ. आरआर कंवर ,डॉ. पीके सलाम और एमबी तिवारी सहित महाविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल महिला दिवस मनाना था, बल्कि धरातल पर जाकर समाज को यह संदेश देना था कि शिक्षित और सशक्त महिला ही एक उन्नत राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

एएमएनएस के सहयोग से पाढ़ापुर में नवीन मुक्तिधाम निर्माण कार्य शुरू, पुराने मुक्तिधाम के बाजू में बनेगा नया चिता स्थल

किरंदुल। नगर के पाढ़ापुर स्थित मुक्तिधाम लंबे समय से अत्यंत जर्जर अवस्था में था,जिसके कारण अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नगरवासियों की इस समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं उपाध्यक्ष बबलू सिद्दकी ने पूर्व में एएमएनएस के महाप्रबंधक राघवेलू एवं कल्याण चक्रवर्ती से नवीन मुक्तिधाम एवं चिता स्थल निर्माण हेतु चर्चा की थी। नगरहित में की गई इस मांग को स्वीकार करते हुए एएमएनएस प्रबंधन ने सकारात्मक पहल करते हुए दिनांक 10 मार्च मंगलवार से निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई हैं।जानकारी के अनुसार पुराने मुक्तिधाम के बाजू में ही नवीन मुक्तिधाम एवं चिता स्थल का निर्माण किया जाएगा, जिससे अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को बेहतर, स्वच्छ और व्यवस्थित सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता हैं। मुक्तिधाम का नया निर्माण होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और अंतिम संस्कार की व्यवस्था पहले से अधिक सुगम हो सकेगी।वहीं नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दकी ने कहा कि नगर के विकास और जनसुविधाओं को मजबूत करने के लिए नगर पालिका निरंतर प्रयासरत हैं। एएमएनएस के सहयोग से शुरू हुआ यह निर्माण कार्य निश्चित रूप से नगरवासियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला न्यायालय में किया गया सम्मान

कांकेर। जिला एवं सत्र न्यायालय कांकेर में 08 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार टामक द्वारा जिला न्यायालय में कार्यरत सभी महिला न्यायिक कर्मचारियों एवं महिला अधिवक्ताओं को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को विश्वभर में महिलाओं के अधिकार, समानता एवं सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस महिलाओं के संघर्ष, उनके योगदान तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है।

ग्राम पंचायत चिचाड़ी में जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोंडागांव। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखण्ड बड़ेराजपुर के ग्राम पंचायत चिचाड़ी में जल उत्सव पखवाड़ा एवं जल अर्पण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं, स्व सहायता समूहों तथा ग्राम जल स्वच्छता समिति की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान 'महिलाओं के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया, जिसमें जल संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम जल स्वच्छता समिति, स्वय सहायता समूह में भूरीबाई निषाद, फूलबासन सोम, गैंदीबाई सोम, चमेली सोम, ऊषा भंडारी तथा जल वाहिनी से जुड़ी महिलाओं को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की भूमिका को सम्मान देना तथा जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में सभी उपस्थितजनों ने जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति मिलकर कार्य करने का शपथ एवं संकल्प लिया। इस प्रकार ग्राम पंचायत चिचाड़ी में जल अर्पण दिवस एवं जल उत्सव पखवाड़ा का यह आयोजन महिला सम्मान, जागरूकता और सामाजिक

संक्षिप्त समाचार

संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने पीएम श्री स्कूल का किया निरीक्षण

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने आज चकरभाठा स्थित पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचार्य से स्कूल में संचालित कक्षाओं की जानकारी ली तथा शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने और सुविधाएं विकसित करने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल भवन के पीछे स्थित परिसर में गार्डन और ओपन जिम विकसित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री जैन ने स्कूल में शिक्षकों के रिक्त पदों की भी जानकारी ली और शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल की लैब और लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए लाइब्रेरी को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही लाइब्रेरी को हाईटेक बनाते हुए सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाइन करने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में मिनी स्टेडियम बनाने के निर्देश भी दिए। परिसर में निर्मित 16 कमरों की भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए उन्होंने उसकी मरम्मत कराने तथा सीपेज की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले सत्र तक सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करा लिए जाएं। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर श्रीमती स्मृति तिवारी, समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक श्री ओम पांडे सहित संबंधित अधिकारी एवं स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थे।

15 मार्च को होगी आम फ्लों की नीलामी

बिलासपुर। शासकीय उद्यान रोपणी करगीकलाँ विकासखण्ड कोटा में स्थित आम के मातृ वृक्षों में लगे फ्लों की नीलामी 15 मार्च 2026 को दोपहर 11.30 बजे से 2 बजे तक होगी। उद्यान अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार नीलामी प्रक्रिया बंद लिफाफा पद्धति से संपन्न होगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति नीलामी की तिथि के पूर्व किसी भी दिवस आम के पौधों में लगे फ्लों का अवलोकन कर सकते हैं। नीलामी शर्तों की विस्तृत जानकारी उद्यान अधीक्षक कार्यालय करगीकलाँ, विकासखण्ड कोटा से प्राप्त की जा सकती है।

सहकारी समिति का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। ड्रीम एन्कलैव आवासीय सहकारी समिति मर्यादित अशोक नगर का निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार संचालक मंडलों के सदस्यों के निर्वाचन के लिए 22 मार्च को नामांकन पत्र प्राप्त किये जाएंगे। 5 अप्रैल को आमसभा आहूत कर निर्वाचन हेतु मतदान एवं मतगणना और 17 अप्रैल को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन 1 अप्रैल तक कलेक्टर ने की युवाओं से आवेदन करने की अपील

बिलासपुर। भारतीय थल सेना (अग्निवीर) में भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र युवाओं से 1 अप्रैल 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। पुरूष अभ्यर्थी जनरल, तकनीकी, लिपिक, स्टोरकीपर, टेउडमैन एवं महिला अभ्यर्थी सेना पुलिस तथा स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा 17.5 से 22 वर्ष एवं आवेदन शुल्क 250 रूपए निर्धारित किया गया है। आवेदन वेबसाईट पर जाकर किये जा सकते है। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 10 जून 2026 तक होने की संभावना है। विस्तृत जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय नवा रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-2965212, 2965214 एवं जिला रोजगार कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है। कलेक्टर ने जिले के युवाओं से अग्निवीर भर्ती में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हिट एंड रन के 4 मामलों में 2-2 लाख की सहायता की अनुशंसा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें टक्कर मारकर भागने (हिट एंड रन) से हुई सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में चार मामलों में पीड़ित परिवारों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने की अनुशंसा की गई। बैठक में प्रस्तुत प्रकरणों के अनुसार सीपत तहसील के ग्राम सोठी की सतरूपा बाई, बोदरी तहसील के ग्राम सरगांव निवासी संतोष कुमार वर्मा, कोटा तहसील के ग्राम देवरी कला निवासी कुसुम बाई मेहरा तथा बिल्हा तहसील के ग्राम मोहदा की श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निकट संबंधियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के मामले समिति के समक्ष रखे गए। सभी मामलों की जांच एवं परीक्षण के बाद समिति ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की अनुशंसा की। बैठक में जिला स्तरीय समिति के सदस्य के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, एडीएम शिव कुमार बनर्जी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जीव धरणी फाउंडेशन के अध्यक्ष विकास चंद्र वर्मा और न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।समिति ने प्रकरणों का परीक्षण कर पात्रता के आधार पर सहायता राशि की अनुशंसा की। उल्लेखनीय है कि हिट एंड रन मोटर दुर्घटनाओं के पीड़ित लोगों को मृत्यु की स्थिति में 2 लाख एवं गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति में ?50 हजार क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में महिलाओं के लिए प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन.....

बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता श्री उज्ज्वल पाटनी ने अपने प्रेरणादायी एवं मोटिवेशनल संबोधन से महिलाओं को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 27 महिला रेलकर्मियों को मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक महिला रेलकर्मियों की उपस्थिती रही । महिला दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस वर्ष महिला दिवस की थीम Rights, Justice, Action – For All Women and Girls है, जो महिलाओं और बालिकाओं के अधिकार, न्याय तथा उनके सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को शिक्षा, अवसर, सम्मानजनक कार्य वातावरण तथा सुरक्षित माहौल प्राप्त होना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल में महिलाएँ शामिल हैं, जबकि नेतृत्व के उच्च पदों पर उनकी भागीदारी अभी भी

लगभग 31 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वर्ष 2017-18 में लगभग 23 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में लगभग 42 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल जैसे विशाल सार्वजनिक संगठन में भी महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाएँ लोको पायलट, गार्ड, इंजीनियर, टीटीई, ट्रैक मेंटेनर, आरपीएफ तथा स्टेशन प्रबंधन जैसे विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं और भारतीय रेल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को भी अपनी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों पर गर्व है, जो विभिन्न क्षेत्रों में समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर रही हैं। साथ ही खेल के क्षेत्र में भी महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रेलवे का नाम रोशन किया है। महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, कैंसर जागरूकता कार्यक्रम तथा बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए स्टेशनों पर अक्षिता सेफबबल तथा ट्रेनों में यात्रा कर रही महिलाओं की सहायता के लिए मेरी सहेली अभियान जैसे महत्वपूर्ण प्रयास भी किए जा रहे हैं।

बिलासपुर रेलवे में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन.....

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य को विशेष महत्व देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन सेंट्रल हॉस्पिटल, बिलासपुर के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। इस दौरान प्रतिभागियों की उच्च रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर, बीएमआई, बोन डेंसिटोमेट्री, नेत्र परीक्षण तथा स्त्री रोग संबंधी जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा सभी प्रतिभागियों को संतुलित आहार एवं पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा हड्डियों एवं समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम करने की सलाह भी दी गई। स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए तथा आवश्यकता के अनुसार आगे की जांच कराने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त शिविर के दौरान प्रतिभागियों का पैप स्मीयर परीक्षण भी किया गया, जिससे गर्भाशय ग्रीवा से संबंधित बीमारियों की समय पर पहचान संभव हो सके। यह स्वास्थ्य जांच शिविर महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण, जागरूकता तथा उनके समग्र कल्याण के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिहान योजना.....गीता यादव की बदली जिंदगी,बनीं लखपति दीदी

बिलासपुर। जिले के ग्राम साल्हेखापा निवासी श्रीमती गीता यादव ने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं के सहयोग से आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कभी मुश्किल और परेशानियों भरे जीवन में सीमित आय में परिवार का गुजारा करने वाली गीता यादव आज 'लखपति दीदी' बनकर ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। गीता ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। गीता यादव के परिवार की मुख्य आजीविका पहले कृषि कार्य पर निर्भर थी। पर्याप्त भूमि होने के बावजूद संसाधनों की कमी के कारण परिवार की कुल वार्षिक आय केवल 88,100 रुपये थी, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करना कठिन था।साल 2021 में

उन्होंने बिहान योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूह से जुड़कर बैंक ऋण, सीआईएफ और आरएफ की सहायता प्राप्त की। इस सहयोग से उन्होंने कृषि कार्य के साथ-साथ मुर्गी पालन, मछली पालन और भैंस पालन जैसे नए व्यवसाय शुरू किए। इन प्रयासों से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्तमान में उन्हें कृषि से 88,100 रुपये, मुर्गी पालन से 87,000 रुपये, मछली पालन से 70,000 रुपये और भैंस पालन से 60,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार उनके परिवार की कुल वार्षिक आय बढ़कर लगभग 3,05,100 रुपये हो गई है। गीता कहती है सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से उन जैसी हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। गीता की सफलता ये संदेश देती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन और योजनाओं का उचित लाभ मिले तो वे आत्मनिर्भर बन आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ सकती हैं।

चम्मच को भी चोरों ने नहीं छोड़ा,वारदात में शामिल सभी शातिर पकड़ाए

बिलासपुर। आर्य समाज धर्मशाला में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से ताम्बे का बर्तन, पूजा सामाग्री सहित घरेलू सामान बरामद किया गया है। आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। सरकंडा पुलिस ने बताया कि डीएलएस कॉलेज के पास आर्य धर्मशाला न्यास दयानंद सेवाधाम सरकंडा निवासी वेद आर्य पिता योगेन्द्र कुमार (25) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि होली त्यौहार के कारण धर्मशाला में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम सक्ती गए थे। 7 मार्च को सुदर्शन जायसवाल ने फोन कर बताया कि धर्मशाला का ताला टूटा हुआ है। तब पीड़ित वेद धर्मशाला आकर देखा तो धर्मशाला के स्टोर रूम में रखे ताम्बे का बर्तन प्लेट, ग्लास चम्मच, लोटा, ताम्बे की पूजा सामाग्री, साउंड बॉक्स, कपड़ा, सफाई का सामान करीब 40 हजार रुपए चोरी हो गई थी। किसी अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर सामान को पार कर दिया था। इस मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने संदेही निखिल साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। तब उसने अपने तीन नाबालिक साथियों के साथ मिलकर चोरी करने की बात स्वीकार की।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर कलेक्टर की समीक्षा बोले-पैनिक में न आएं, जिले में गैस पर्याप्त.....

बिलासपुर। ईरान युद्ध से उत्पन्न अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच जिले में घरेलू एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने खाद्य विभाग के अधिकारियों और गैस वितरकों की बैठक लेकर व्यवस्था की समीक्षा की। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जिले में घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए आम उपभोक्ताओं को घबराने या पैनिक में आकर गैस का अनावश्यक भंडारण करने की जरूरत नहीं है। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए होटल और उद्योगों में व्यवसायिक उपयोग के लिए दी जाने वाली गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल बंद कर दी गई है। हालांकि अस्पतालों और स्कूलों को उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार गैस उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा गैस वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर ने गैस

एजेंसी संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का किसी भी प्रकार से व्यवसायिक या अन्य उपयोग न होने दें। वितरण व्यवस्था की निगरानी स्वयं एजेंसी संचालक करें और इसे केवल अपने कर्मचारियों के भरोसे न छोड़ें। साथ ही किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को सिलेंडर देने या ब्लैक मार्केटिंग जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा गया। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में घरेलू गैस के लगभग 4.80 लाख कनेक्शन हैं। तीन ऑयल कंपनियों के 38 गैस वितरकों के माध्यम से इन उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जाती है, जिनमें से 22 वितरक केवल बिलासपुर शहर में संचालित हैं। वर्तमान में जिले में प्रतिदिन लगभग 5 हजार गैस सिलेंडरों की डिलीवरी की जा रही है और पिछले 10 दिनों से इसी दर से आपूर्ति जारी है। बैठक में यह भी बताया गया कि गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। गैस वितरकों ने शहर में लागू नो-एंट्री प्रतिबंध से राहत देने की मांग भी रखी, जिस पर कलेक्टर ने सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिलाया। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और पैनिक में आकर गैस सिलेंडरों का अनावश्यक भंडारण न करें। जिले में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। बैठक में खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर, एएफओ राजीव लोचन तिवारी, कंपनी के नोडल अधिकारी हेम प्रकाश साहू, गैस वितरक संघ के जिला अध्यक्ष सुभाष जायसवाल सहित जिले के सभी गैस वितरक उपस्थित थे।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुआ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के मंडल सभाकक्ष में आज दिनांक 11 मार्च 2026 को प्रात: 11:30 बजे मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (छत्तष्ट) की बैठक मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के. श्रीनिवास, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के शाखाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा समिति के सदस्य श्री अखिलेश सोनथालिया (बिलासपुर), श्री जी. रविकुमार (बिलासपुर), श्री अजय कुमार भट्ट (बिलासपुर), श्री अखिल अग्रवाल (कोरबा), श्री अनुज सेन (उमरिया), श्री राकेश गुप्ता (शहडोल), श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता(उमरिया), श्री प्रांजल संजय तामस्कर (रायगढ़) तथा श्री विकास कुमार अग्रवाल (बेलपहाड़) के प्रतिनिधि भी

बैठक में शामिल हुए। बैठक की शुरुआत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के स्वागत अभिभाषण एवं सदस्यों के परिचय के साथ हुई। इसके पश्चात दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल की उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं, विभिन्न विकासात्मक कार्यों, अमृत भारत स्टेशन योजना, रेल सेवाओं के डिजिटलीकरण, स्वच्छता, सुरक्षा, खानपान सेवाओं तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व में भेजे गए एजेंडा बिंदुओं एवं सुझावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सम्माननीय सदस्यों ने मंडल में चल रहे विकास कार्यों तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं की सराहना की। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी स्थानीय समस्याओं और जन अपेक्षाओं से अवगत कराते हुए विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार से संबंधित सुझाव भी प्रस्तुत किए। समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर मंडल प्रशासन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आवश्यकतानुसार समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार, ट्रेनों के ठहराव, यात्री अनुकूल सुविधाओं की वृद्धि सहित रेलवे विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने समिति के सदस्यों के सहयोग एवं सुझावों के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति यात्रियों की अपेक्षाओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को रेलवे प्रशासन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा प्रस्तुत किए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर नियमानुसार प्राथमिकता के साथ कार्य करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे भारतीय रेल की सेवाएं और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितैषी बन सकें। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में विचार-विमर्श, सहयोग और समाधान की भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बेटे के बर्थडे के दिन महिला ने की गंदा काम, युवक को फंसाया ब्लैकमेलिंग पर उतर आई अब

बिलासपुर। महिला ने बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया। इसके बाद अपनी परिचित की एक अन्य महिला को कमरे में भेजकर दोनों का अश्लील वीडियो बना लिया। अब महिला वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजकर युवक को ब्लैकमेल कर रही है और 1 लाख रुपए की डिमांड कर रही है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला पीड़ित युवक के पास के ही गांव में रहती है। उसने अपने बेटे के बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया, जहां पहले से ही एक अन्य महिला मौजूद थी। कमरे में दोनों ने संबंध बनाए। इस दौरान घर पर बुलाई महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया। बाद में युवक को स्क्रीनशॉट भेजकर पैसों की डिमांड करने लगी और नहीं देने पर सोशल मीडिया पर वायरल करने धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कर लिया है। युवक का आरोप है कि फंसाने के लिए बर्थडे पार्टी का बहाना बनाकर पूरी योजना तैयार की गई थी। पचपेड़ी थाने के टीआई राज सिंह ने बताया कि केंवतरा आवासपारा का रहने वाला नोहर कुमार सूर्यवंशी (33) प्राइवेट जॉब करता है। शिकायत में उसने बताया कि उसकी पहचान एक महिला से है, जो पास के गांव में रहती है। 1 फरवरी को महिला के बेटे का बर्थडे था।

शास्त्रों के अनुसार हाथों की रेखाओं का शुभ संकेत

आमतौर पर जब हम किसी व्यक्ति से मिलते हैं उसके हाव-भाव से उसके अच्छे व बुरे व्यवहार का अंदाजा लगाते हैं। वहीं शास्त्रों के अनुसार हाथों की रेखाएं देखकर भी भविष्य में होने वाली अच्छी व बुरी बातों का संकेत मिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति के शरीर पर मौजूद निशान भी कुछ खास व अनोखे संकेत देते हैं।

जी हां, सामुद्रिक शास्त्र में ऐसी ही बहुत ही बातों का जिक्र किया गया है जिसके जरिए आप किसी व्यक्ति के शरीर की बनावट व उसके चिन्हों से उसके व्यवहार का ही नहीं, बल्कि भविष्य का भी पता लगा सकते हैं। आज हम लड़कियों के शरीर पर मौजूद कुछ चिन्हों की बात कर रहें हैं जो कि सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार बहुत ही शुभ माने जाते हैं। ऐसा शुभ चिन्ह वाली लड़कियां खुद के लिए ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और पति के लिए भी बहुत शुभ होती हैं।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिस लड़की की आईब्रो यानि भौहें आपस में जुड़ी हुई होती हैं वह महत्वाकांक्षी और कर्मठ होती हैं। ऐसी लड़कियां किस्मत की धनी होती है और अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भरपूर मेहनत करती हैं। ऐसी लड़कियां अपनी ही नहीं बल्कि अपने पति की भी किस्मत बदल देती हैं।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लड़कियों के कान पर हल्की लालिमा होती है वह खुद के लिए बहुत ही लकी होती हैं और अपने कार्य को लगन के साथ पूरा करती हैं। ऐसी लड़कियां स्वयं के साथ ही परिवार ओर पति के लिए बेहद ही भाग्यशाली साबित होती हैं।

जिस लड़की की हथेली कोमल हो और उस पर हल्की सी लालिमा दिखाई देती है तो उसे भी सामुद्रिक शास्त्र में लकी माना गया है। इसके अलावा जिन लड़कियों की हथेली के बीच का भाग थोड़ा सा उठा हुआ होता है उनकी किस्मत में बहुत पैसा होता है। साथ ही उनके साथ रहने वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती।

सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक जिन लड़कियों के पैर का तलवा चिकना, मांसल और शुभ चिह्नों से युक्त होता है उन्हें अपने जीवन में हर खुशी मिलती है। इन लड़कियों को एक अच्छा लाइफ पार्टनर भी मिलता है और शादी के बाद अपने पति के किस्मत में भी खुशियां लेकर आती हैं।

जिन लड़कियों का माथा चौड़ा होता है उन्हें भी सामुद्रिक शास्त्र में भाग्यशाली बताया गया है। ऐसी लड़कियां जिस घर में जाती हैं वहां कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

ट्राई करें बादाम से बनें ये फेस पैक

बादाम के फायदों से तो हर कोई वाकिफ है। छोटा हो या बड़ा बादाम हर किसी के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आपको इसके त्वचा को मिलने वाले फायदों के बारे में पता है? बादाम आपकी त्वचा को कई लाभ पहुंचाते हैं क्योंकि उनमें पोषक तत्व होते हैं, जिनमें कई प्रकार के विटामिन, प्रोटीन और मिनरल शामिल हैं। बादाम फेस पैक एक सदियों पुराना नुस्खा है। महिलाएं हमेशा अपनी त्वचा को निखारने के लिए चेहरे पर बादाम पेस्ट लगाती हैं। बादाम का कोई भी फेस पैक उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने, चमक लाने का काम करता है। ऐसे में आज हम आपको ऐसे बादाम फेस पैक के बारे में बताएंगे जो आपकी त्वचा को निखारने का काम करेंगे।

आजमाकर देखें ये पैक-

रात भर बादाम को भिगोएं और इन्हें पीस लें। इसे कच्चे दूध के साथ मिलाएं और सूखने तक अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ समय बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इसके नियमित उपयोग से आपकी त्वचा पर पड़ गाले धब्बे हट जाएंगे और रंग में निखार आने लगेगा साथ ही स्किन भी कोमल हो जाएगी। यह संवेदनशील त्वचा के लिए भी फायदेमंद है।

पपीते के साथ बादामः

आप पपीते के साथ पिसे हुए बादाम भी मिला सकते हैं। यह आपकी त्वचा के रंग को निखारने में मदद करता है। इसे कुछ देर तक चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद धो लें।

बादाम और मुल्तानी मिट्टीः

मुल्तानी मिट्टी से तैलीय त्वचा को भी फायदा होता है जिससे चिकनापन कम हो जाता है। बादाम को मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल के साथ मिलाकर लगाने से आपको फायदा मिलेगा।

ऑयली त्वचा के लिए बादाम फेस पैकः

यदि आपकी त्वचा ऑयली है और मुहांसों की समस्या है, तो बादाम को रात भर पानी में भिगोकर पीस लें। इसे दही के साथ मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे स्किन और पिंपल्स पर लगाएं। इससे आपको पिंपल्स से छुटकारा मिलेगा और तैलीयपन की जगह चमक आएगी।

दूध वाला फेस पैकः

शुष्क त्वचा वाली महिलाओं के लिए पिसे हुए बादाम, दलिया और दूध वाला फेस पैक तैयार कर सकती हैं। इसके लिए भी आपको बादाम को भिगोकर पीसना होगा। यह पेस्ट डेड सेल्स को हटाता है और आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

रंग को निखारने के लिए करें ये कामः

यदि आप अपनी त्वचा के रंग को निखारना चाहती हैं तो पिसे हुए बादाम और नींबू का रस को मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। फेस पैक से स्किन पर जमे दाग-धब्बे और टैनिंग हल्की होने लगती है। आप चंदन पाउडर, पिसे हुए बादाम और दूध से भी पेस्ट बना सकते हैं। ये भी स्किन के रंग को निखारता है।

सुबह 5 बजे उठने से मिलते हैं ये अद्भुत फायदे

अक्सर आपने कई लोगों से सुना होगा कि रात में जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने से शरीर तंदुरुस्त रहता है। आयुर्वेद के अनुसार सुबह जल्दी उठने से न सिर्फ शारीरिक तौर पर फीट रहते हैं, बल्कि मानसिक रूप से होने वाली परेशानीयां भी दूर होती हैं।

बड़े-बुजुर्गों का भी मानना होता है कि सुबह सुर्योदय से पहले उठने और सुर्य देव के दर्शन करने से दिनभर पॉजिटिव एनर्जी रहती है। आइए जानते हैं कि सुबह 5 बजे उठना सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है और इससे बॉडी में क्या-क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

- सुबह जल्दी उठने से आप खुद पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं। एक्सरसाइस से लेकर ब्रेकफास्ट के लिए आसानी से समय मिल जाता है, जिससे बॉडी दिनभर एक्टिव रहती है।
- सुबह जल्दी उठने के लिए रात को जल्दी सोना चाहिए, ताकि दिन में ज्यादा से ज्यादा समय काम को पूरा करने के लिए मिल सकता है और आलस भी नहीं आता। वही व्यक्ति की दिनचर्या में भी सुधार आता है।
- सुबह 5 बजे उठने से योग और एक्सरसाइज के करने का भी समय मिलता है, जिससे शरीर दुरुस्त रहता है। सुबह एक्सरसाइज करने से न केवल बढ़ते वजन को कम किया जाता है, बल्कि इससे बॉडी फीट भी रहती है।
- जल्दी उठने से दिमाग शांत और एकाग्र रहने में मदद मिलती है, जिससे काम करने मन लगा रहता है। इससे आत्मविश्वास का भी विकास होता है।
- कई लोगों को रात के समय में भूख लगती है वहीं वो सुबह देर से उठने के कारण खाना भी देर से खाते हैं। सुबह उठने से खान-पान से लेकर हेल्दी लाइफस्टाइल पर आसानी से ध्यान दे सकते हैं।
- जल्दी उठना न केवल सेहत के लिए अच्छा होता है, बल्कि आसापास का माहौल भी सकारात्मक रहता है।

वास्तु दोष निवारण के सबसे असरदार 5 उपाय

आज के आधुनिक समय में हर व्यक्ति अपने जीवन में शांति, सफलता और स्थिरता चाहता है, लेकिन अनजाने में किए गए निर्माण दोष या गलत दिशा में रखी वस्तुएं जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। ऐसे में वास्तु दोष निवारण के प्रभावशाली उपाय अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। अच्छी बात यह है कि हर बार तोड़-फोड़ या महंगे बदलाव की जरूरत नहीं होती, बल्कि सरल वास्तु उपाय, सकारात्मक ऊर्जा संतुलन और सही दिशा ज्ञान से भी बड़े से बड़े वास्तु दोष को शांत किया जा सकता है।

1. मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' और 'तोरण'

घर का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का सबसे बड़ा स्रोत होता है।

उपाय: प्रवेश द्वार पर सिंदूर और घी मिलाकर 9 अंगुल लंबा और चौड़ा स्वास्तिक बनाएं। इसके अलावा, द्वार पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लटकाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकता है।

2. समुद्री नमक का प्रयोग

Sea Salt यानी समुद्री नमक नकारात्मकता को सोखने की अद्भुत क्षमता रखता है।

उपाय: घर के कोनों में या बाथरूम में एक कांच की कटोरी में समुद्री नमक भरकर रखें और इसे हर हफ्ते बदल दें। साथ ही, हफ्ते में कम से कम एक बार विशेषकर शनिवार को पानी में नमक मिलाकर पोछा लगाएं। इससे घर की दूषित ऊर्जा साफ होती है।

3. कपूर और दीपक का नियम

घर में अग्नि और सुगंध का संतुलन वास्तु दोषों को शांत करता है।

उपाय: प्रतिदिन सुबह और शाम को कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाएं। इसके अलावा, घर के उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में घी का दीपक जलाने से घर में देवदोष और वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

4. ईशान कोण की सफाई और जल कलश

घर का उत्तर-पूर्व कोना यानी ईशान कोण सबसे पवित्र माना जाता है। यदि यहां कोई भारी सामान या गंदगी हो, तो गंभीर वास्तु दोष उत्पन्न होता है।

उपाय: इस कोने को हमेशा साफ और खाली रखें। यहां एक तांबे के लोटे में गंगाजल या शुद्ध जल भरकर रखें। यदि संभव हो, तो यहां एक छोटा सा इनडोर वाटर फाउंटेन या एक्वेरियम भी रखा जा सकता है।

5. श्री यंत्र या पिरामिड की स्थापना

ऊर्जा को पुनर्जीवित करने के लिए यंत्रों का उपयोग बहुत प्रभावी होता है।

उपाय: अपने घर के मंदिर में श्री यंत्र की स्थापना करें और उसकी नियमित पूजा करें। यदि घर के किसी खास हिस्से में वास्तु दोष है, जैसे गलत दिशा में शौचालय या रसोई, हो तो वहां वास्तु पिरामिड रखने से उस दिशा की नकारात्मकता काफी हद तक नियंत्रित हो जाती है।

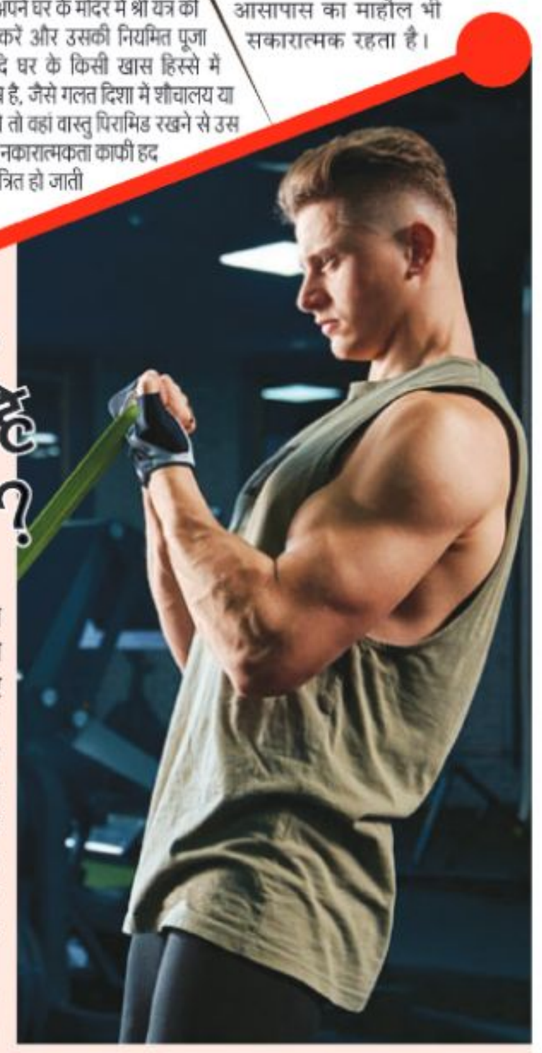

आज का राशिफल

मेष राशि - लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बाहरी सहायता से कार्यों में गति आएगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शारीरिक कष्ट की आशंका है, अतः लापरवाही से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ राशि - चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है। विवाद को बढ़ावा न दें। अतिउत्साह हानिप्रद रहेगा। कुसंगति से बचें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी उलझन में फंस सकते हैं। विवेक से निर्णय लें। सार्वजनिक स्थान पर लोगों का ध्यान नहीं खींच पाएंगे। धैर्य रखें।

मिथुन राशि - संबंधियों तथा मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर होगा। किसी बाहरी व्यक्ति पर भरोसा न करें।

कर्क राशि - दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। आय होगी। धैर्य रखें।

सिंह राशि - स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा, साक्षात्कार व करियर संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। जोखिम न उठाएं। थकान महसूस होगी।

कन्या राशि - शैक्षणिक व शोध इत्यादि कार्यों के परिणाम सुखद रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी कार्य में उत्साह व प्रसन्नता से सफलता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

तुला राशि-यात्रा लाभदायक रहेगी। काफी समय से रुका हुआ धन प्राप्ति के आसार हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक राशि - राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। थकान महसूस होगी। किसी लंबे प्रवास की योजना बनेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

धनु राशि- बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रतिद्वंद्वी पस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई रुका हुआ कार्य पूर्ण होने के योग हैं।

मकर राशि - घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। लंबे प्रवास की योजना बनेगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से बचें।

कुंभ राशि-नई योजना बनेगी। पुराने किए गए निर्णयों का लाभ अब प्राप्त होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। नए कार्यकारी अनुबंध हो सकते हैं। नौकरी में चैन रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। चिंता में वृद्धि होगी।

मीन राशि- किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। फालतू खर्च होगा। असमंजस रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। अशुभ समय। - ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

किस विटामिन की कमी से टूट जाते हैं नाखून

शरीर में दिखाई देने वाले कुछ छोटे-छोटे लक्षण आपको मामूली लग सकते हैं, लेकिन अगर छोटे-छोटे लक्षणों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो आप सेहत से जुड़ी समस्याओं का शिकार भी बन सकते हैं। क्या आपको भी यही लगता है कि नाखून टूटना कोई बड़ी बात नहीं है? क्या आप भी यही सोचते हैं कि दिन भर शरीर में महसूस होने वाली कमजोरी, मामूली सी बात है? अगर हां, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को जल्द से जल्द दूर कर लेना चाहिए।

गौर करने वाले लक्षण

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इन लक्षणों के अलावा त्वचा या फिर आंखों में हल्का पीलापन दिखाई देने पर भी आपको सावधान हो जाना चाहिए। अगर विटामिन बी12 की कमी होती है, तो सांस फूलना और चक्कर आना, इस तरह के लक्षण भी पैदा हो सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की कमी के लक्षणों में हाथों-पैरों में झुनझुनी महसूस होना, दस्त, मतली या फिर भूख में कमी, ये लक्षण भी शामिल हैं।

विटामिन बी12 की कमी

नाखून आसानी से टूट जाने का मतलब ये है कि आपकी नेल हेल्थ कमजोर हो रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जब शरीर में विटामिन बी12 की कमी पैदा होती है, तब भी नाखून टूटने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा एनर्जी लेवल्स कम होना या फिर हर समय कमजोरी महसूस होते रहना, इस तरह का लक्षण भी इसी विटामिन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

बढ़ सकता है किन समस्याओं का खतरा

अगर शरीर में लंबे समय तक विटामिन बी12 की कमी रहती है, तो एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा विटामिन बी12 की कमी नर्वस सिस्टम को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। ग्लोसाइटिस (जीभ की सूजन) का एक कारण इस विटामिन की कमी हो सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन जैसी गंभीर बीमारी के रिस्क को भी बढ़ा सकती है।

पहली बार जिम शुरू करने पर क्यों होता है मांसपेशियों में दर्द?

आजकल फिटनेस के लिए जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में लोग जिम जॉइन कर रहे हैं। लेकिन जिम शुरू करने के शुरुआती दिनों में मांसपेशियों में दर्द, जकड़न और थकान की शिकायत आम होती है। यह दर्द ज्यादातर मामलों में सामान्य होता है और इसे 'डिलेड ऑनसेट मसल सोरनेस' कहा जाता है। यह तब होता है जब शरीर नई एक्सरसाइज या ज्यादा इंटेंसिटी की वर्कआउट के लिए खुद को ढालने की कोशिश करता है। हालांकि, इसके कारण कई लोग शुरुआत में ही एक्सरसाइज करना बंद कर देते हैं, लेकिन सही जानकारी और सावधानियों के साथ इस दर्द से आसानी से निपटा जा सकता है।

क्यों होता है दर्द?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शुरुआत में हल्का से मध्यम दर्द सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। जब आप लंबे समय बाद या पहली बार वेट ट्रेनिंग या स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करते हैं, तो मांसपेशियों में माइक्रो लेवल पर खिंचाव होता है। यही खिंचाव आगे चलकर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, लेकिन अगर दर्द असहनीय हो, सूजन ज्यादा हो या किसी खास जोड़ में तेज दर्द हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इससे बचाव के लिए क्या करें?

दर्द से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है धीरे-धीरे शुरुआत करना। पहले सप्ताह में हल्के वजन और कम रेपिटेशन से शुरुआत करें। शरीर को समय दें, ताकि वह नए रूटीन के अनुसार ढल सके। अचानक बहुत ज्यादा वजन उठाने या लंबा वर्कआउट करने से चोट का खतरा बढ़ जाता है। ट्रेनर की देख-रेख में सही तकनीक से एक्सरसाइज करना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि गलत पोस्टर या तकनीक से मांसपेशियों और जोड़ों पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

वॉर्म-अप और कूल-डाउन भी है जरूरी

वॉर्म-अप और कूल-डाउन को नजरअंदाज करना एक बड़ी गलती है। वर्कआउट से पहले 5-10 मिनट का हल्का कार्डियो और स्ट्रेचिंग मांसपेशियों को तैयार करता है, जिससे चोट और दर्द की संभावना कम होती है। इसी तरह वर्कआउट के बाद हल्की स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों में जकड़न कम होती है और रिकवरी तेज होती है।

खान-पान की है अहम भूमिका

सही पोषण और पर्याप्त पानी पीना भी दर्द से उबरने में अहम भूमिका निभाता है। प्रोटीन से भरपूर खाना, जैसे- दाल, पनीर, अंडा या दही, मांसपेशियों की मरम्मत में मदद करते हैं। साथ ही 7-8 घंटे की नींद लेना जरूरी है, क्योंकि शरीर की रिकवरी मुख्य रूप से आराम के दौरान ही होती है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से हल्की पेन किलर दवा या गर्म/ठंडी सिकाई की जा सकती है।

शहद और अंगुर जूस के फायदे

शरीर को फिट रखने के लिए भरपूर एनर्जी की जरूरत होती है। थकान की वजह से चक्कर आना, काम करने में मन न लगना और सिर दर्द जैसी समस्याएं हो सकती है। बॉडी में एनर्जी न होने पर स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। शरीर में खून या पोषक तत्वों की कमी के कारण एनर्जी लेवल कम हो जाता है। थकान दूर करने के लिए थकान दूर करने के लिए अपनी डाइट में हेल्दी चीजों को शामिल करना जरूरी है।

अंगुर में पानी की पर्याप्त मात्रा होने से यह बॉडी को दिन भर हाइड्रेट रखता है।

- अंगुर में ग्लुकोज और फ्रुक्टोज जैसे नेचुरल शुगर होते हैं, जो बॉडी को एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। • पोटेशियम, विटामिन-सी और के से भरपूर अंगुर मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करते हैं। साथ ही बॉडी की एनर्जी को बूस्ट करने में अहम भूमिका निभाते हैं। • अंगूर में रेस्वेराट्रोल जैसे एंटीऑक्सीडेंट होने से बॉडी में ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा उर्जा के स्तर को बढ़ाने में गुणकारी साबित होते हैं। • शहद नेचुरल स्वीटनर होने के कारण शरीर को भरपूर एनर्जी देने काम करता है।

दिनभर में कितनी चाय पीनी चाहिए?

चाय सिर्फ एक ड्रिंक नहीं है बल्कि भारत में दिन की शुरुआत ही इससे होती है। सुबह की ताजगी से लेकर शाम की थकान मिटाने तक, एक कप चाय मूड को तुरंत बेहतर कर देती है और शरीर को ऊर्जा से भर देती है। कुछ लोगों को चाय की इतनी तलब होती है कि उन्हें हर दो तीन घंटे में चाय चाहिए होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दिनभर में कितनी चाय पीना सही है? और कब इसका ज्यादा सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है? चलिए हम आपको बताते हैं?

दिनभर में कितना चाय पीना चाहिए?

एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए दिन में 2 से 3 कप चाय पीना सुरक्षित माना जाता है। ध्यान रखें कि एक दिन में कुल कैफीन की मात्रा 200-300 मि.ग्रा से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। यानी स्वाद और सेहत दोनों बनाए रखने के लिए दिन में 2-3 कप चाय तक ही सीमित रहें और कोशिश करें कि खाली पेट या देर रात चाय न पिएं।

कब हो जाती है चाय नुकसानदायक?

अगर आप एक दिन में चार से पांच कप से ज्यादा चाय पीते हैं, तो आपकी सेहत के लिए यह अच्छा नहीं है। चलिए जानते हैं ज्यादा चाय पीने से क्या होगा?

कैफीन की मात्रा: यानी, चाय 4-5 कप या उससे अधिक पीने से शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे घबराहट, दिल की धड़कन तेज होना और नींद की समस्या हो सकती है।

एसिडिटी, गैस और पेट में जलन: सुबह खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी, गैस और पेट में जलन की समस्या हो सकती है।

आयरन का अवशोषण: खाने के तुरंत बाद चाय पीने से शरीर में आयरन का अवशोषण कम हो सकता है, जिससे एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है।

इंसोम्निया: शाम या रात में ज्यादा चाय पीने से इंसोम्निया की समस्या हो सकती है।

कैसे पिएं चाय? दिन में 2-3 कप से ज्यादा न पिएं। खाने के तुरंत बाद चाय पीने से बचें। रात में सोने से 3,4 घंटे पहले चाय न लें। चाहें तो ग्रीन टी या हर्बल टी को विकल्प के रूप में चुन सकते हैं।

श्रमिक सम्मेलन का हुआ आयोजन, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को मिल रही आर्थिक सहायता -स्कूल शिक्षा मंत्री यादव

9556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत 10 करोड़ 42 लाख रुपये से अधिक की सहायता

सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक किया गया वितरित

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 9 हजार 556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 10 करोड़ 42 लाख 7 हजार 343 रूपए की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। इनमें मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना और मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना शामिल हैं। श्रमिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मजदूरों द्वारा विभिन्न प्रकार के काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ऐसे में यदि किसी श्रमिक के साथ कोई दुर्घटना हो जाती थी तो उसके परिवार को जीवन भर आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल का गठन किया गया। मंडल के माध्यम से प्रदेश के मजदूर भाई-बहनों का श्रम विभाग में पंजीयन शुरू किया गया और श्रमिक कार्ड बनाए गए, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे वे घर बैठे काम कर सकें। राज्य में गरीबों के लिए दो रुपये किलो चावल की योजना भी शुरू की गई थी। पहले यह सुविधा केवल गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले परिवारों को मिलती थी, लेकिन बाद में श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक कार्ड धारकों को भी इसका लाभ मिलने लगा। इस तरह श्रमिकों को राशन कार्ड और श्रम कार्ड के माध्यम से खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

पॉश कॉलोनी के मकान में चल रहा था अनैतिक देह व्यापार, पुलिस की रेड में 12 मोबाइल और नगदी बरामद

भिलाईनगर। जिले के स्मृति नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नेहरू नगर स्थित विद्या विहार कॉलोनी में पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के खिलाफएक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक मकान में दबिश देकर संचालिका और एक ग्राहक को गिरफ्तार किया है, जबकि मौके पर मौजूद 8 महिलाओं को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। स्मृति नगर पुलिस को 10 मार्च को पुख्ता सूचना मिली थी कि विद्या विहार कॉलोनी के मकान नंबर 146/8 में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना मिलते ही महिला रक्षा टीम (ढ्ढ्ढ्ढ) और स्मृति नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने उक्त मकान पर घेराबंदी कर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने संचालिका धनवंती रावत उर्फ रीना सिंह रावत (35 वर्ष) और ग्राहक अमन (25 वर्ष), निवासी जयंती नगर को रंगे हाथों पकड़ा। तलाशी के दौरान मौके से एक पल्सर मोटरसाइकिल, 12 मोबाइल फेन, 5,500 रुपये नकद और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। पूछताछ में यह बात सामने आई कि आरोपी आर्थिक लाभ के लालच में इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

इमली लाटा को राखी ध्रुव ने बनाया आजीविका का साधन, खट्टे -मीठे अनुभव से तय की सफलता की सफर

बलौदाबाजार। 10 मार्च 2026/राखी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद 'इमली लाटा' को न केवल अपनी पहचान बनाया, बल्कि इसे अपनी आजीविका का एक सशक्त जरिया भी बना लिया। उनकी यह यात्रा मेहनत, नवाचार और परंपरा को सहेजने की एक प्रेरणादायक मिसाल है। एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी-विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम अर्जुनी निवासी राखी ध्रुव ने बताया कि उनकी सफलता की कहानी तब शुरू हुई जब वे रायपुर में अपने एक रिश्तेदार के घर गई थीं और वहां उन्होंने आसपास की महिलाओं को पारंपरिक रूप से 'इमली लाटा' बनाते देखा। इस गतिविधि में छिपी संभावनाओं को देखते हुए राखी ने इसके बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई और अपने गांव लौटकर बिहान समूह से जुड़कर इसे एक व्यावसायिक रूप देने का निर्णय लिया।व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने के लिए राखी ध्रुव कच्चे माल के रूप में इमली की खरीदी भाटापारा से करती हैं, जबकि उत्पादों की आकर्षक पैकिंग के लिए डिब्बे बिलासपुर से मंगवाती हैं। घर पर ही अन्य समूह की महिलाओं के सहयोग और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने इमली लाटा निर्माण की इस गतिविधि को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। वर्तमान में वे इस कार्य के माध्यम से सालाना लगभग 1.5 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण और आर्थिक सुदृढ़ीकरण बहुत अच्छे ढंग से कर पा रही हैं। वे कहती है आसपास के लोग मुझे लखपति दीदी के रूप में बुलाने लगे है यह सुनकर मुझे बहुत ही गर्व महसूस होता है। राखी ध्रुव बताती है कि पति जलेश्वर ध्रुव गांव में टेलरिंग और जूते की दुकान का संचालन करते हैं। उनके मन में खुद कुछ करने की लालसा थी। अब इमली लाटा ने उन्हें नई पहचान दिलाई है। उन्होने अपनी इस सफलता का श्रेय केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को देती हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकार की इन योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में बढ़ने का हौसला दिया है।

राज्यसभा सांसद बनने पर श्रीमती लक्ष्मी वर्मा से महापौर अलका बाघमार की सौजन्य मुलाकात, सरस्वती माता की प्रतिमा भेंट कर दी बधाई

सरस्वती माता की प्रतिमा भेंट कर किया सम्मान

दुर्ग। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद बनने पर लक्ष्मी वर्मा से दुर्ग महापौर अलका बाघमार ने अपने एमआईसी सदस्यों के साथ उनके निवास पहुँचकर मुलाकात की और उन्हें सरस्वती माता की मूर्ति भेटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि , लक्ष्मी वर्मा एक अनुभवी, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व की धनी हैं।राज्यसभा जैसे महत्वपूर्ण मंच पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। नव निर्वाचित राज्य सभा संसद लक्ष्मी वर्मा के अनुभव, कार्यशैली और जनहित के प्रति समर्पण से निश्चित रूप से प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने लक्ष्मी वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की तथा कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मेयर ने नाली निर्माण के लिए बनाने अपने वार्ड में की भूमिपूजन

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड 09 डीपीएस रिसाली सेक्टर में नाली निर्माण किया जाएगा। इस कार्य के लिए महापौर शशि सिन्हा ने 07 लाख 50 हजार की राशि अपने निधि से स्वीकृत की है। उन्होंने मंगलवार को भूमिपूजन कर कार्य आरंभ कराया। महापौर शशि सिन्हा ने इस अवसर पर उपस्थि लोगों से कहा कि प्राथमिकता के आधार में वे कार्य स्वीकृत कर रही है और विकास कार्य को मूर्त रूप देने भूमिपूजन भी साथ ही साथ कर रही है। उन्होंने बताया कि ब्लाक 275 से ब्लाक 281 तक नाली निर्माण कार्य किया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में मोहन राव, कृष्ण वेणु, शकुंतला वर्मा, गिरजा ठाकुर, सुमन ध्रुव देवांगन, फोश ठाकुर उपस्थित थे।

खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने पर की गई कार्रवाई

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसके अंतर्गत डोंगरगांव तहसील अंतर्गत ग्राम खुज्जी, बघमार, साल्हे, लक्ष्मणभरदा, गनेरी-मनेरी, नादिया तथा छुरिया तहसील अंतर्गत नागरकोहरा, बरछाटोला, कछूटोला, मोतीपुर, बंशीबंजारी क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। खनिज अमला द्वारा इन क्षेत्रों में खनिज रेत एवं मुरूम के अवैध परिवहन व उत्खनन करने वालों पर कार्रवाई की गई। जिसमें नागरकोहरा निवासी भारत साहू के स्वामित्व की जेसीबी-सीजी08 ए डब्ल्यू 3323 एवं हाईवा-सीजी 08 एएच 7389 तथा मुरूम-मिट्टी को थाना चिचोला सुपुर्द किया गया। इसी तरह पाण्डुका निवासी तिरथदास साहू के स्वामित्व की ट्रैक्टर जॉन डियर-सोल्ड हरा रंग एवं रेत तथा लक्ष्मणभरदा निवासी भानूराम गोड़ के स्वामित्व की टैक्टर स्वराज-सोल्ड नीला रंग एवं रेत को थाना डोंगरगांव सुपुर्द किया गया। सभी प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

विधायक रिकेश की तत्परता से शांति नगर मैदान का निजीकरण रुका, कहा - एक इंच जमीन भी किसी निजी स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ने दूंगा

■ संजय नगर के बाद अब शांति नगर मैदान को निजीकरण से बचाया

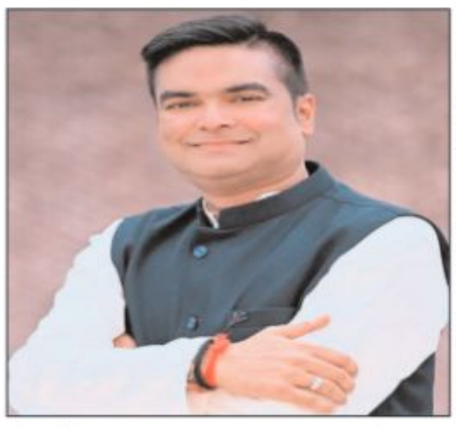

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे क्षेत्र की जनता और सार्वजनिक संपत्तियों के सजग प्रहरी हैं। शांति नगर दशहरा मैदान को निजी हाथों में सौंपने की नगर निगम की योजना की जानकारी मिलते ही विधायक ने तत्काल हस्तक्षेप कर इस निर्णय को निरस्त करने के निर्देश दिए हैं।

संज्ञान में आते ही ?त्वरित कार्रवाई-आपको बता दें कि मैदान के निजीकरण और भविष्य में उसे बेचे जाने की आशंका को देखते हुए विधायक ने तत्काल नगर निगम आयुक्त से चर्चा की। विधायक के कड़े रुख के बाद निगम प्रशासन को टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगाना पड़ा है।

गौरतलब हो कि संजय नगर खेल मैदान के बाद यह दूसरा अवसर है जब विधायक ने खेल के मैदान को 'शहर सरकार' के निजीकरण के एजेंडे से बचाया है।विधायक रिकेश सेन ने स्पष्ट किया है कि ?विकास खेल के मैदानों को बेच कर नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित और उन्नत बनाकर किया जाता है। मैं वैशाली नगर की एक इंच जमीन भी किसी निजी स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ने दूंगा। खेल के मैदान हमारे बच्चों और खिलाड़ियों की धरोहर हैं।जनता के बीच बढ़ता विश्वास-विदित हो कि शांति नगर क्षेत्र के निवासियों ने इस निजीकरण के विरोध में 'जन आक्रोश रैली' की तैयारी कर ली थी। जैसे ही यह विषय विधायक के संज्ञान में आया, उन्होंने विधानसभा सत्र की व्यस्तता के बावजूद जनभावनाओं को प्राथमिकता दी और स्पष्ट किया कि वर्तमान 'शहर सरकार' के ऐसे फैसलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जो सार्वजनिक हितों के विरुद्ध हों। ?विधायक की इस त्वरित और सकारात्मक पहल से क्षेत्र के खेल प्रेमियों, बुजुर्गों और युवाओं में हर्ष की लहर है।

आईआईटी भिलाई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) स्तरीय 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन

दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कार्मिकों की वाक्-कला एवं तात्कालिक चिंतन क्षमता का विकास करना था। प्रतियोगिता में भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों एवं निर्णायकगणों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। संस्थान के उपकुलसचिव (प्रशासन) एवं हिंदी अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हिंदी के प्रति प्रेम जगाते हैं, बल्कि विभिन्न संस्थानों के बीच एक वैचारिक सेतु का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी शिक्षा और राजभाषा का समन्वय आधुनिक भारत की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के चीफ़ ऑफ़कम्यूनिकेशन एवं महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) श्री अमूल्य प्रियदर्शी जी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन व जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) तथा नराकास भिलाई-दुर्ग के सचिव श्री राजीव कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रतियोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक उच्च स्तरीय निर्णायक मंडल का गठन किया गया था, जिसमें सुश्री बोन्या मुखर्जी, महाप्रबंधक (परियोजनाएँ - परियोजना नियोजन एवं अभियांत्रिकी), भिलाई इस्पात संयंत्र ,सुश्री पारमिता महान्ति, महाप्रबंधक, सेल-सीईटी, सुश्री अंजली चौधरी, सहायक प्राध्यापक (भौतिकी विभाग), आईआईटी भिलाई शामिल थे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, भाषा प्रवाह,आत्मविश्वास, तार्किकता और विषयवस्तु की गहराई के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समाज के हर व्यक्ति का शिक्षित और जागरूक होना आवश्यक : डॉ. उदय

माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर कोसा नगर बुद्ध भूमि में श्रद्धा सुमन अर्पित

भिलाई। देश की पहली महिला शिक्षिका ,महान समाज सुधारक और मराठी कवयित्री माता सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर कोसा नगर के भिमाई महिला मंडल द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर सावित्रीबाई फुले के कार्यों को याद किया गया। कोसा नगर बुद्ध भूमि में स्थापित माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के पास आज भिमाई महिला मंडल कोसा नगर की समस्त महिलाएं उपस्थित हुई और शिक्षा की देवी माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती तथा अगरबत्ती प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया । भिमाई महिला मंडल की अध्यक्षा दानशीला रामटेके ने अपने उद्बोधन में कहा कि अगर सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार नहीं खोले होते तो आज भी महिलाएं अशिक्षित होती। महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खुलने से आज देश की राष्ट्रपति से लेकर अस्पताल और अन्य जगह महिलाएं अपना कार्य बखूबी निभा रही है। सावित्रीबाई फुले ने महिला सेवा मंडल की स्थापना की और गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए बाल हत्या प्रतिबंधक गृह खोला । सचिव आयुष्मति कोमल चंद्रिका पुरे ने अपने संबोधन में कहा कि सावित्रीबाई फुले ने ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर सामाजिक समानता के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की ।वे एक कवियत्री थी और उनकी प्रसिद्ध कृतियों में काव्य फूले और बावनकशी सुबोध रत्नाकर शामिल है। डॉक्टर उदय धाबर्डे सीएमओ सेक्टर 9 ने इस अवसर पर कहा कि माता सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षा को प्रोत्साहित किया। बाल विवाह सती प्रथा का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह की वकालत की । उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि शिक्षा हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरूरी है और समाज के हर व्यक्ति का शिक्षित और जागरूक होना आवश्यक है तभी हमारा राष्ट्र विकसित होगा। जीवन के अंतिम क्षणों तक वह समाज के भलाई के लिए काम करती रही और 1897 में पुणे में प्लेग की महामारी के दौरान मरीजों की सेवा करते हुए 10 मार्च 1897 को उनका निधन हुआ था। सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन प्रकट करने माया सुखदेवे,मंजूषा मेश्राम, विनीता भालेकर,रानू कोल्हाटकर, मंगला रामटेके, अनीता गुर्दे, आशा सुखदेवे,मीनाक्षी मून शिल्पा बंसोड़,लक्ष्मी मेश्राम, पल्लवी चंद्रिकापुरे,संगीता रामटेके, विनीता रंगारी,सरिता चंद्रिकापुरे,वंदना बोरकर, पवरना मेश्राम आदि उपस्थित थे।

शांति नगर दशहरा मैदान का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण, खिलाड़ियों के हित में लिए बड़े फैसले

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज शांति नगर स्थित दशहरा मैदान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहां अभ्यास कर रहे स्थानीय खिलाड़ियों और आम नागरिकों से संवाद किया। संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने आयुक्त के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, खिलाड़ियों का कहना था कि वर्तमान में निर्धारित सुरक्षा निधि 02 लाख रुपए अधिक है और ईओआई में वार्षिक किराया राशि अधिक प्राप्त होने पर स्थानीय प्रतिभाओं को मैदान का उपयोग करने में कठिनाई हो सकती है। खिलाड़ियों और आम नागरिकों को गंभीरता से सुनते हुए आयुक्त ने मौके पर ही उपस्थित कार्यपालन अभियंता श्री अरविंद शर्मा को निर्देशित किया कि ?मैदान के उपयोग संबंधी नियमावली में आवश्यक संशोधन के लिए महापौर परिषद में पुनर्विचार की कार्यवाही करें, जिससे किराया दरों और सुरक्षा निधि को तर्कसंगत बनाया जा सके, ताकि स्थानीय समितियों और खेल प्रेमियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने का मुख्य उद्देश्य मैदान के प्रबंधन को व्यवस्थित करना था, जिससे युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। निगम द्वारा आयुक्त यह भी निर्देशित किया गया कि बड़े स्तर के खेल आयोजनों के लिए मैदान का संधारण शुल्क मात्र ?10,000 से अधिक नहीं प्रस्तावित किया जाए, इसी प्रकार मैदान का संधारण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिव्यक्ति मेंटेनेंस शुल्क 250 रुपए मासिक से अधिक नहीं हो, ताकि आयोजन सुगमता से संपन्न हो सकें, साथ ही मैदान के रखरखाव में मदद मिले।

÷हमारा लक्ष्य भिलाई की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है। नियमों में संशोधन का प्रस्ताव कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सार्वजनिक संसाधनों का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे स्थानीय खिलाड़ियों और आम नागरिकों को मिले।÷

– राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com